केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 292 रविवार 17 मई 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

होम्योपैथ सेवा के क्षेत्र में डा. वी.के. वर्मा सम्मानित

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कैंट होम्योपैथिक लेबोरेटरी गया, बिहार के निदेशक उत्पल कुमार यादव ने गोटवा स्थित पटेल एस.एम.एच. हॉस्पिटल पहुंचकर डा. वी.के. वर्मा को हैनिमैन की मोमेंटो व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। डा. वर्मा को यह सम्मान चिकित्सा शिक्षा, समाजसेवा व साहित्य के क्षेत्र मे उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिये दिया गया। उत्पल कुमार यादव ने कहा डा. वर्मा की ख्याति से हम लोग भलीभांति परिचित हैं।

इस अवसर पर आयुष मेडिकल एसोसियेशन बिहार के प्रदेश अध्यक्ष डा. बिरेन्द्र नाथ मौर्य, बिहार सेन्स के अनुज कुमार एवं गोरखपुर के दवा प्रतिनिधि दबीर हसन एवं कैंट के मैनेजर राकेश तिवारी आदि उपस्थित थे। डा. वर्मा को सम्मानित किये जाने पर पटेल एम.एम.एच. हॉस्पिटल गोटवा के स्टाफ, निदेशक डा. आलोक रंजन वर्मा, विनोद कुमार उपाध्याय, रामकृष्ण लाल जगमग, दिनेश कुमार पाण्डेय, अशोक श्रीवास्तव, रितेश चौधरी, डा. आरएन चौधरी, डा. चन्दा सिंह सहित शिक्षा, चिकित्सा, समाजसेवा व साहित्य से जुड़े लोगों ने उन्हे शुभकामनायें दिया है।

राहगीरों से लूट के दो आरोपी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पैकोलिया थाना क्षेत्र में राहगीरों से रुपये और पर्स छीनकर फरार हुए दो आरोपियों को पुलिस ने महज चार घंटे के भीतर गिरफ्तार कर घटना का खुलासा कर दिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से नकदी, पर्स तथा कई महत्वपूर्ण पहचान पत्र बरामद किए हैं। मामले में संबंधित धाराओं की बढ़ोतरी करते हुए आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, 15 मई को थाना क्षेत्र के एनपीएस स्कूल के पास ग्राम पूरा पैकोलिया में घर लौट रहे दो व्यक्तियों से बाइक सवार दो युवकों ने रुपये व पर्स छीन लिया था। एक पीड़ित का पर्स, जिसमें करीब 1200 रुपये, एटीएम कार्ड, आधार कार्ड, पैन कार्ड, निर्वाचन पहचान पत्र व विकलांग प्रमाण पत्र रखा था, छीन लिया गया। वहीं, दूसरे व्यक्ति से 500 रुपये नकद लूट लिए गए थे।

घटना के बाद थाना पैकोलिया में मुकदमा दर्ज कर पुलिस टीम सक्रिय हो गई थी। प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जांच के दौरान शुक्रवार तड़के करीब 2रू10 बजे बैरियहवा मोड़ के पास से दो आरोपियों नीरज पाण्डेय और सुशील पाण्डेय उर्फ माइकल निवासी पूरा पैकोलिया को गिरफ्तार कर लिया।

तलाशी में उनके पास से एक पर्स, कुल 1500 रुपये नकद तथा विभिन्न पहचान पत्र बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने वारदात स्वीकार करते हुए बताया कि छीने गए रुपयों में से कुछ रुपये खाने–पीने में खर्च कर दिए थे।

पुलिस के मुताबिक, मुख्य आरोपी नीरज पाण्डेय पर हत्या के प्रयास, गैंगस्टर एक्ट, एनडीपीएस एक्ट, धोखाधड़ी, आर्म्स एक्ट समेत विभिन्न थानों में कई गंभीर मुकदमे दर्ज हैं।

क्षेत्राधिकारी हर्रैया स्वर्णिमा सिंह ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीमों को तत्काल लगाया गया था। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है।

हालात नहीं बदले तो गरीबी के दलदल में फंसेंगे- मोदी

द हेग (आभा)। प्रधानमंत्री मोदी ने नीदरलैंड के द हेग में भारतीय समुदाय के कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए दुनिया के मौजूदा हालात पर चिंता जताई। मोदी ने कहा कि आज मानवता के सामने कई बड़ी चुनौतियां हैं। ये दशक आपदाओं का दशक बन गया है। दुनिया पहले कोरोना, फिर युद्ध और अब ऊर्जा संकट से जूझ रही है। अगर हालात नहीं बदले तो बीते कई दशकों के काम पर पानी फिर जाएगा और दुनिया की बहुत बड़ी आबादी गरीबी के दलदल में फंस जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नीदरलैंड दौरे के दौरान वहां रहने वाला सूरीनामी–हिंदुस्तानी समुदाय खास चर्चा में रहा। यह समुदाय उन भारतीयों के परिवारों से जुड़ा है जिन्हें करीब 153 साल पहले बिहार, उत्तर प्रदेश और बंगाल से काम के लिए सूरीनाम भेजा गया था। बाद में इनमें से कई लोग नीदरलैंड आकर बस गए।

आज भी यह समुदाय अपनी भारतीय संस्कृति और परंपराओं को संभालकर रखे हुए है। हेग शहर में रहने वाले लोग अब भी भोजपुरी और अवधी से जुड़ी "सरनामी" भाषा बोलते हैं।यहां भारतीय संगीत, भजन और भोजपुरी गीत काफी लोकप्रिय हैं।

नहीं मिला इंसाफ तो पानी की टंकी पर चढ गई पीड़िता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

इटवा (सिद्धार्थनगर)। डुमरियागंज तहसील क्षेत्र में शनिवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब एक महिला अपनी मांगों को लेकर अंबेडकर पार्क स्थित पानी की टंकी पर चढ़ गई। महिला करीब तीन घंटे तक टंकी पर बैठी रही, जिससे मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई।

महिला का आरोप है कि 4 मार्च को राप्ती नदी के पास जमीनी विवाद में साजिश के तहत उसके पति को जलाकर मार दिया गया था। गंभीर हालत में उन्हें इलाज के लिए भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

महिला ने आरोप लगाया कि मामले की शिकायत लेकर जब वह डुमरियागंज थाने पहुंची तो पुलिसकर्मियों ने गाली देकर भगा दिया और उसकी कोई सुनवाई नहीं

की गई। न्याय न मिलने से आहत होकर महिला पानी की टंकी पर चढ़ गई।

सूचना मिलते ही इटवा और डुमरियागंज पुलिस मौके पर पहुंची। डुमरियागंज तहसीलदार रवी यादव ने काफी देर तक महिला को समझाने–बुझाने का प्रयास किया। करीब तीन घंटे की मशक्कत के बाद महिला टंकी से नीचे उतरी।

घटना इटवा थाना क्षेत्र के शाहपुर चौकी अंतर्गत अंबेडकर पार्क स्थित पानी की टंकी की बताई जा रही है। घटना के दौरान मौके पर अफरा–तफरी का माहौल बना रहा।

महिलाओं ने किया वट सावित्री की पूजा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। ज्येष्ठ मास की अमावस्या के अवसर पर शनिवार को सुहागिन महिलाओं ने वट सावित्री व्रत की विधि विधान से पूजा किया। इस दौरान महिलाओं ने अपने पति की लंबी आयु और अखंड सौभाग्य की कामना की। शहर के कटेश्वर पार्क सहित ग्रामीण क्षेत्रों के विभिन्न मंदिरों और सार्वजनिक स्थलों पर वट वृक्ष की विधि–विधान से पूजा–अर्चना की गई। सुबह से ही महिलाएं पारंपरिक परिधानों में सोलह श्रृंगार कर पूजा स्थलों पर पहुंचने लगी थीं। उन्होंने वट वृक्ष के चारों ओर कच्चा धागा बांधकर परिक्रमा की और सावित्री–सत्यवान की कथा सुनी। महिलाओं ने निर्जला व्रत रखते हुए भगवान विष्णु और माता सावित्री से पति की दीर्घायु तथा परिवार के सुखमय जीवन के लिए प्रार्थना की।

कटेश्वर पार्क, दक्षिण दरवाजा, राजभवन के साथ ही अनेक स्थनों पर श्रद्धालुओं की आस्था उमड़ी। महिलाओं ने पूजा सामग्री के साथ फल, फूल, मिठाई और दीप अर्पित किए। इस दौरान कई स्थानों पर महिलाओं ने सामूहिक रूप से भजन–कीर्तन भी किया, जिससे धार्मिक आयोजन में उत्साह का माहौल बना रहा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, वट सावित्री व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए विशेष महत्व रखता है। ऐसी मान्यता है कि माता सावित्री ने अपने तप, त्याग और दृढ़ संकल्प से यमराज से अपने पति सत्यवान के प्राण वापस प्राप्त किए थे। इसी परंपरा और आस्था के तहत महिलाएं यह व्रत रखकर पति के उत्तम स्वास्थ्य, लंबी आयु और परिवार की खुशहाली की कामना करती हैं।

भाजपा के प्रशिक्षण वर्ग में संगठनात्मक सशक्तिकरण पर मंथन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। भारतीय जनता पार्टी, द्वारा आयोजित 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान' के अंतर्गत दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग एवं प्रदर्शनी का भव्य शुभारंभ शनिवार को विक्रमजोत स्थित अवधेश सिंह होटल सभागार में हुआ। प्रशिक्षण वर्ग में कुल 11 सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें पहले दिन 7 तथा दूसरे दिन 4 सत्र संपन्न होंगे।

कार्यक्रम का उद्घाटन पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डॉ. रमापति राम त्रिपाठी, विधान परिषद सदस्य डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी, विधायक अजय सिंह, पूर्व विधायक दयाराम चौधरी, पूर्व विधायक संजय जायसवाल एवं पूर्व विधायक रवि सोनकर द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र ने की तथा संचालन जिला महामंत्री अमृत कुमार वर्मा ने किया।

मुख्य अतिथि डॉ. रमापति राम त्रिपाठी ने "देश के सम्मुख चुनौतियाँ एवं निदान के हमारे प्रयास" विषय पर संबोधित करते हुए कहा कि भारत की बढ़ती शक्ति से घबराई देश–विरोधी ताकतें सामाजिक और आर्थिक अस्थिरता फैलाने का प्रयास कर रही हैं, लेकिन भाजपा राष्ट्रहित के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

दूसरे सत्र में पूर्व मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी ने "वैचारिक अधिष्ठान" विषय पर अपने विचार रखे। इस सत्र की अध्यक्षता सुशील सिंह तथा संचालन अखण्ड प्रताप सिंह ने किया। तीसरे सत्र में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं एमएलसी डॉ. धर्मेन्द्र सिंह ने "भाजपा का इतिहास और विकास" विषय पर विस्तार से चर्चा की। अध्यक्षता पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी तथा संचालन जिला महामंत्री अभिषेक कुमार गौतम ने किया।

चौथे सत्र में प्रदेश महामंत्री एवं एमएलसी गोविन्द नारायण शुक्ल ने "कार्य पद्धति" विषय पर मार्गदर्शन दिया। अध्यक्षता विधायक अजय सिंह तथा संचालन प्रेम प्रकाश चौधरी ने किया। पांचवें सत्र में पूर्व क्षेत्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद अष्टभुजा शुक्ल ने "कार्यकर्ता विकास, संभाल एवं दायित्वबोध" विषय रखा। छठवें सत्र में प्रदेश प्रवक्ता डॉ. समीर सिंह ने "कार्य विस्तार एवं चुनाव प्रबंधन" पर विचार व्यक्त किए। सातवें सत्र में पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने "बूथ प्रबंधन एवं स्थायी कार्यक्रम" विषय पर संगठन को मजबूत करने के सूत्र बताए।

इस अवसर पर पूर्व मंत्री राजकिशोर सिंह, पवन कसौधन, प्रेम सागर त्रिपाठी, महेश शुक्ल, यशकान्त सिंह,गोपेश्वर त्रिपाठी, राजेन्द्र गौड़, चन्द्र प्रकाश शुक्ल, अंकुर वर्मा, गिल्लम चौधरी, अनिल दुबे, अरविन्द सिंह, जटाशंकर शुक्ल, नरेन्द्र त्रिपाठी, प्रमोद पाण्डेय, अजय सिंह गौतम, अरविन्द पाल, भानु प्रताप सिंह, डॉ. अनिल कुमार मौर्य, डॉ. वीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी, ध्रुव नारायण सिंह, ममता पाण्डेय, श्याम बिहारी गौंड, पुष्करादित्य सिंह, गजेन्द्र सिंह, चन्द्रशेखर मुन्ना, राजेश पाल चौधरी, आनन्द सिंह, शालिनी मिश्र, शिवानी सिंह, रोली सिंह, देवेन्द्र सिंह, अमरेन्द्र सिंह, रामवृक्ष निषाद एवं रमेश चक्रवर्ती सहित प्रदेश, क्षेत्र एवं जिले के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तेल बचाने के अपील का असरः साईकिल से कार्यालय पहुंचे संयुक्त विकास आयुक्त

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री द्वारा खाड़ी देशों के मौजूदा हालत के कारण वैश्विक स्तर पर ईधन और ऊर्जा की बचत हेतु की गयी अपील पर मण्डल के ग्राम विकास विभाग के अधिकारियों/कर्मचारियों से देशहित में एवं मौजूदा हालात के कारण वैश्विक स्तर पर ईधन की हर एक बूंद की बचत देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देगी। उक्त जानकारी देते हुए संयुक्त विकास आयुक्त निर्मल कुमार द्विवेदी ने बताया कि इस निमित्त शासकीय वाहन का प्रयोग कम से कम किया जाय। इसी उद्देश्य से शनिवार को उनके द्वारा अपने आवास से साईकिल

द्वारा कार्यालय पहुंचकर शासकीय कार्यों का सम्पादन किया गया एवं ईधन की बचत के लिए मण्डल के ग्राम्य विकास विभाग से सम्बन्धित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों से अपील की गयी वे देशहित में कम से कम वाहनों का प्रयोग कर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने में अपना सहयोग प्रदान करें।

समाधान दिवस:90 मामलों में 6 का निस्तारण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । आमजन की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए प्रत्येक माह के प्रथम व तृतीय शनिवार को आयोजित होने वाले सम्पूर्ण समाधान दिवस की कड़ी में माह मई के तृतीय शनिवार को तहसील सदर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी श्रीमती कृत्तिका ज्योत्स्ना ने पुलिस अधीक्षक डा. यशवीर सिंह, उप जिलाधिकारी शत्रुघ्न पाठक, क्षेत्राधिकारी पुलिस सत्येन्द्र भूषण व अन्य अधिकारियों के साथ जनसमस्याओं की सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्धता के साथ गुणवत्तापरक निस्तारण के निर्देश दियें। उन्होने कहा कि शिकायतों के निस्तारण में अनावश्यक

हीलाहवाली अत्यन्त गम्भीरता के साथ लिया जायेंगा।

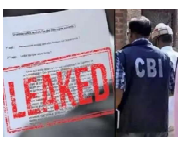

उन्होने यह भी कहा कि शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुने और स्थलीय मौका देखकर गुणवत्तापूर्ण व ससमय समस्याओं का निस्तारण करें। पुलिस अधीक्षक डा. यशवीर सिंह ने भी सुनवाई करते हुए पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि थानों से संबंधित मामलों को तत्परता से निस्तारण करायें। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 90 मामलें प्राप्त हुए, जिसमें से 06 का मौके पर निस्तारण किया गया। इसमें राजस्व विभाग 25, पुलिस 15, विकास 10, विद्युत 08, पूर्ति 06, चकबन्दी विभाग 05 व अन्य के 21 मामलें आये।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएफओ डा. शिरीन, सीएमओ डा. राजीव निगम, डीडीओ अजय कुमार सिंह, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डा. ए.के. गुप्ता, उप निदेशक कृषि अशोक कुमार गौतम, बीएसए अनूप तिवारी, मत्स्य अधिकारी संदीप वर्मा, जिला समाज कल्याण अधिकारी लालजी यादव, पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी रेखा गुप्ता, सहायक श्रमायुक्त सचिन सिंह, डीएसओ विमल कुमार शुक्ला, डीपीआरओ धनश्याम सागर, डीएचओ अरूण त्रिपाठी, जिला कार्यक्रम अधिकारी राजेश कुमार, ईओ नगर पालिका अंगद गुप्ता, तहसीलदार विनय प्रभाकर तथा जिला स्तरीय अधिकारीगण उपस्थित रहे।

नीट पेपर लीक में बायोलॉजी लेक्चरर गिरफ्तार

नई दिल्ली (आभा)। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने दूसरे मास्टरमाइंड को भी गिरफ्तार कर लिया है। यह आरोपी एक महिला और बायोलॉजी की लेक्चरर है और उसका नाम मनीषा गुरुनाथ मांधारे है। जानकारी के मुताबिक मनीषा मांधारे एनटीए की पेपर सेटिंग कमेटी का हिस्सा रह चुकी है। एक दिन पहले ही सीबीआई ने रिटायर्ड केमिस्ट्री टीचर पीवी कुलकर्णी को गिरफ्तार किया था। जांचकर्ताओं ने उसे मास्टरमाइंड और नीट पेपर लीक सरगना का मुखिया बताया था।

सीबीआई ने शनिवार को इस बारे में एक बयान जारी किया। इस बयान के मुताबिक मनीषा गुरुनाथ मांधारे को एक गहन जांच के बाद गिरफ्तार किया गया है। वह नीट यूजी 2026 परीक्षा की प्रक्रिया में

शामिल थी। मनीषा को एनटीए ने बतौर एक्सपर्ट शामिल किया था। सीबीआई ने बताया कि उसके पास बॉटनी और जूलॉजी के प्रश्न पत्रों की पूरी एक्सेस थी। मनीषा की भूमिका के बारे में विस्तार से बताते हुए सीबीआई ने कहाकि अप्रैल 2026 में मंधारे ने पुणे की मनीषा वाघमारे के जरिए संभावित नीट परीक्षा उम्मीदवारों को जुटाया। इसके बाद इन छात्रों के लिए अपने पुणे निवास पर कोचिंग क्लासेस चलाईं।

इन कोचिंग क्लासेस के दौरान मंधारे ने बॉटनी और जूलॉजी विषयों से विभिन्न सवाल लीक किए। साथ इसके बारे में विस्तार से समझाया भी। उसने छात्रों से इन सवालों को अपनी नोटबुक में लिखने और किताब में चिन्हित करने को भी कहा। अब मांधारे को आगे की पूछताछ के लिए दिल्ली लाया जाएगा। इनमें से अधिकांश प्रश्न तीन मई को आयोजित नीट यूजी 2026 परीक्षा के वास्तविक प्रश्न पत्र से मेल खाते थे। बता दें कि मनीषा एक ब्यूटी पार्लर चलाती है और उसे 14 मई को गिरफ्तार किया जा चुका है।

सीबीआई जांच में शामिल एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि एनटीए से दो सेट के प्रश्न पत्र लीक हुए थे। इनमें से एक हाथ से लिखा हुआ और एक टाइप किया हुआ था।

बसपा के मण्डल स्तरीय समीक्षा बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव के लिये बनी रणनीति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बहुजन समाज पार्टी की मण्डल स्तरीय समीक्षा बैठक शनिवार को बड़े बन के निकट स्थित एक मैरेजहाल के सभागार में मुख्य मण्डल प्रभारी धर्मदेव प्रियदर्शी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

मुख्य अतिथि एवं बस्ती, गोरखपुर, लखनऊ के मण्डल प्रभारी पूर्व राज्यसभा सांसद घनश्याम चन्द्र खरवार ने कहा कि बसपा पूरी ताकत से संगठन को मजबूत करने में जुटी है। बूथ और सेक्टर की प्रभावी तैयारी और उनकी समीक्षा कर लिया जाय, आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज कर दी जाय, कहा कि प्रदेश की जनता बदलाव का मन बना चुकी है। बसपा मतदाताओं और कार्यकर्ताओं के बूते 2027 में मजबूत सरकार बनायेगी। पूर्व विधायक भगवानदास, लालचंद निषाद, मुख्य मण्डल प्रभारी उदयभान, केके. गौतम, कल्पनाथ बाबूजी, राम सूरत चौधरी, संजय धूसिया आदि ने कहा कि संगठन की मजबूती से ही बहन सुश्री मायावती के संकल्प साकार होंगे। इसके लिये जमीनी धरातल पर कार्यकर्ता और पदाधिकारी जुट जाय और पार्टी की विचारधारा से

–सेक्टर, बूथ स्तर पर संगठन के मजबूती पर जोर

लोगों को जोड़े। जनपद के सभी विधानसभा के बूथों की समीक्षा के साथ यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि कोई मतदाता वंचित न रहने पाये। बस्ती जिलाध्यक्ष जयहिन्द गौतम ने कहा कि मण्डलीय समीक्षा बैठक में जो निर्णय लिये गये हैं उस अनुरूप संगठन को और मजबूत किया जायेगा।

मण्डल स्तरीय समीक्षा बैठक में मुख्य रूप से संतकबीर नगर जिलाध्यक्ष झिनकान प्रसाद, सिद्धार्थनगर के जिलाध्यक्ष दिनेश कुमार गौतम, विधानसभाध्यक्ष नवमी प्रसाद, देशराज गौतम, शैलेन्द्र कुमार गौतम, विकास राव, प्रदीप कुमार गौतम, लोकसभा के पूर्व प्रत्याशी लवकुश पटेल, राजकुमार आर्य, सीताराम शास्त्री, बनवारीलाल कन्नौजिया, कैप्टन कृष्ण चन्द्र, प्रेमचन्द्र पाठक, सन्तोष पाठक, नदीम, इन्द्रजीत गौतम, जब्बार अली के साथ ही राजेन्द्र कुमार गौतम, अवनीश कुमार, अभिषेक भारती, यशवन्त निगम, दीपक कुमार, अतर सिंह गौतम, के. सी. मौर्या, रामकरन गौतम, बच्चूलाल, अनिल कुमार गौतम, राम सरोज, महेन्द्र कुमार, प्रिन्स कुमार निगम, रामचेत निराला, राम सरोज, राना अम्बेडकर, के.पी. राठौर, प्रमोद कुमार, विष्णु आनन्द, आशुतोष सिंह, अलीम अहमद, अनूप कुमार, योगेन्द्र चौधरी, अखिलेश कुमार, राम सागर, डा. लाल बहादुर, अजय कुमार गौतम, तारकेश्वरनाथ, गुरूदेव निगम के साथ ही बसपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्राथमिक शिक्षक संघ के अधिवेशन में चौथी बार सुरेश गौड़ अध्यक्ष, असलम मंत्री निर्वाचित

-समाज के उत्थान की आधारशिला हैं शिक्षक - जगदीश शुक्ल
-सेवानिवृत्त शिक्षकों को दिया भावभीनी विदाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ब्लॉक इकाई बनकटी का त्रैवार्षिक अधिवेशन व सेवा निवृत्त शिक्षक विदाई समारोह शनिवार को ब्लॉक सभागार बनकटी में संपन्न हुआ। सेवा निवृत्त शिक्षको रामायण प्रसाद शुक्ल, शांति यादव, उर्मिला पाण्डेय को अंगवस्त्र, धार्मिक पुस्तक,छड़ी, स्मृति चिन्ह, मिष्ठान देकर सम्मनित किया गया ।अगली कड़ी में अधिवेशन में संगठन की नई कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न हुआ। इस दौरान सर्वसम्मति से सुरेश गौड़ को अध्यक्ष तथा असलम को मंत्री पद के लिए निर्वाचित किया गया। साथ ही अन्य पदों पर भी शिक्षकों का मनोनयन किया गया।

नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शिक्षकों ने फूल–मालाओं से स्वागत किया और उनके नेतृत्व में संगठन के और अधिक सशक्त होने की उम्मीद जताई। मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता जगदीश शुक्ल और ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि रामायण सिंह द्वारा सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई।

चुनाव पर्यवेक्षक दुर्गेश यादव चुनाव अधिकारी विजय यादव के देखरेख में चुनाव सम्पन्न हुआ। किसी भी पद पर एक से अधिक प्रत्याशी न होने के कारण सभी पदों पर निर्विरोध निर्वाचन का कार्य पूर्ण हुआ। अध्यक्ष और मंत्री के अलावा संरक्षक उमाकांत शुक्ल वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर हृदय विकास पाण्डेय, उपाध्यक्ष पद पर राजकेश चौहान, रामप्रवेश चौधरी, अशोक पाण्डेय, शिव शंकर यादव, धर्मराज, हरिश्चंद्र चौधरी, राजकुमारी शुक्ला संयुक्त मंत्री अनिल कुमार पाठक संगठन मंत्री अशोक कुमार, हरकेश प्रजापति, आलोक नाथ वर्मा, रविंद्र नाथ चौधरी, सोनू पाल, प्रचार मंत्री पर सुनील कुमार भट्ट, लवकुश वर्मा, दिलीप कुमार, आदित्य कुमार मौर्य, पूनम पाण्डेय कोषाध्यक्ष मखखनलाल लेखाकार विनोद चौधरी आय व्यय निरीक्षक कृष्णकांत तिवारी तथा इसी के क्रम में संघर्ष समिति में अध्यक्ष पद पर सूरज मौर्य उपाध्यक्ष श्रवण प्रजापति, कुमार गौरव चौधरी, प्रेम कुमार मिश्रा, समसुल हक मंत्री राजेश यादव संयुक्त मंत्री दीपक, संदीप कुमार मीडिया प्रभारी दीपक रविदास निर्वाचित हुए। जिला अध्यक्ष चन्द्रिका सिंह व मंन्त्री बालकृष्ण ओझा ने बताया कि शिक्षक अपने अधिकारों के लिए शिक्षक एकजुट रहें। उन्होंने नव निर्वाचित पदाधिकारियों को अपने कार्य एवं दायित्वों के प्रति सजग रहने की बात कही। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने बताया कि जिन ब्लॉकों में अधिवेशन अभी बचा है जल्द ही उसको संपन्न करा लिया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से गिरजेश चौधरी, महेंद्र पटेल, कृष्ण चंद्र यादव, गुरुचरण, राजेश सिंह, छाया जायसवाल, नूतन गौड़, प्रभावती, रेखा यादव, निवेदिता त्रिपाठी, दीपमाला चौधरी, संगीता यादव सहित सैकड़ों शिक्षक उपस्थित रही और मंच संचालन सतीश यादव ने किया।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 17 मई 2026 रविवार

सम्पादकीय

मंहगाई की चौतरफा मार

पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच इस बात की आशंका पहले से जताई जा रही थी कि तेल और गैस की कमी की वजह से आने वाले दिनों में जरूरी वस्तुओं की महंगाई बढ़नी तय है। खासतौर पर रसोई गैस की किल्लत की वजह से आम लोगों के सामने कैसी परिस्थितियां पैदा हुई हैं, यह सब जानते हैं। इस दौरान देश में ईंधन, बिजली और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल की वजह से थोक महंगाई दर अप्रैल में 8.3 फीसद दर्ज की गई, जो मार्च में 3.88 फीसद थी। साफ है कि घरेलू बाजार पर अब अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों का असर पड़ना शुरू हो चुका है।

हालांकि कुछ समय पहले वाणिज्यिक गैस सिलेंडर और विमानन टर्बाइन ईंधन के दाम में खासी बढ़ोतरी की गई थी, लेकिन उसके असर का दायरा कुछ हद तक सीमित था। अब पेट्रोल और डीजल की कीमतों में इजाफे का मोर्चा जिस तरह खुला है, उससे साफ है कि अगर ईरान और अमेरिका के बीच टकराव के साए में तेल की आपूर्ति लंबे समय तक बाधित रही, तो इसका असर जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित करेगा। गौरतलब है कि तेल कंपनियों की ओर से शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तीन–तीन रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई है। वहीं सीएनजी की कीमत में भी दो रुपए प्रति किलोग्राम का इजाफा किया गया।

जाहिर है, ईरान पर इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद वैश्विक स्तर पर ऊर्जा कीमतों में जिस तरह की तेजी आई है, अब तेल कंपनियां आम उपभोक्ताओं पर भी उसका बोझ सीधे डालना शुरू कर चुकी हैं। यों जब ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया था और दोनों पक्षों की ओर से एक–दूसरे के तेलशोधन केंद्रों और ठिकानों पर मिसाइल दागे गए, तभी से यह साफ था कि इसका असर दुनिया भर में होने वाली तेल और गैस की आपूर्ति पर पड़ेगा और नतीजतन सभी क्षेत्रों में महंगाई बढ़ेगी। खासतौर पर उन देशों में ज्यादा मुश्किल पैदा हो सकती है, जहां तेल और गैस की आपूर्ति को सहज बनाए रखने के विकल्प सीमित हैं। दरअसल, होर्मुज जलमार्ग से दुनिया भर में लगभग बीस से पच्चीस फीसद तेल और गैस की आपूर्ति होती है और इसी वजह से इसके बाधित होने के प्रभाव का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है। स्वाभाविक रूप से भारत में भी तेल और गैस की कमी पैदा हुई।

हालांकि अमेरिका की ओर से लगाई गई शर्तों के बीच भारत ने रास्ता निकालने की कोशिश की थी, लेकिन अब युद्ध से उपजी जटिलता जैसे–जैसे लंबी खिंचती जा रही है, वैसे–वैसे विकल्प भी सिमटते जा रहे हैं। यह छिपा नहीं है कि डीजल के दाम में बढ़ोतरी के साथ ही माल ढुलाई की कीमत बढ़ती है और उसकी वजह से सभी जरूरी उपभोक्ता वस्तुओं की महंगाई में बढ़ोतरी होती है। यानी फिलहाल डीजल के दाम तीन रुपए बढ़े हैं, लेकिन ईरान और अमेरिका के रुख के असर में वैश्विक स्तर पर ऊर्जा संकट के जो हालात बने हुए हैं, उसमें यह कहना मुश्किल है कि तेल के दाम में वृद्धि यहीं रुक जाएगी।

ऐसी स्थिति में अगर खाने–पीने से लेकर जरूरत की हर चीज की कीमतें बेलगाम हुईं, तो यह एक स्वाभाविक परिणति होगी। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव की वजह से उपजे ऊर्जा संकट में जरूरत इस बात की है कि सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेल और गैस की उपलब्धता वाले देशों के साथ कूटनीतिक संवाद स्थापित करे और देश में गहराती मुश्किल को कम करने के लिए पहलकदमी करे।

निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर बढ़ता संकट,

निर्वाचन आयोग एक स्वायत्त एवं संवैधानिक संस्था है, जो चुनावी प्रक्रिया का संचालन करने के लिए उत्तरदायी है। यही वह संस्था है, जो लोकतंत्र के मूल तत्त्व को जिंदा बनाए रख सकती है। मगर पिछले कुछ वर्षों से निर्वाचन आयोग की कार्यप्रणाली पर जिस तरह से सवाल उठ रहे हैं, उससे उसकी विश्वसनीयता संदेह के घेरे में आ गई है।दरअसल, कोई भी प्राधिकरण तभी स्वायत्त और निष्पक्ष हो सकता है, जब उस पर कोई बाहरी दबाव न हो और उसके पदाधिकारियों का चयन भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत निष्पक्ष तरीके से किया जाए। निर्वाचन आयोग में नियुक्तियों को लेकर कई स्तर पर आरोप लगते रहे हैं। अब सर्वोच्च न्यायालय ने भी इस पर महत्त्वपूर्ण टिप्पणी की है। शीर्ष अदालत ने गुरुवार को इस मामले में कहा कि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव संविधान की मूल संरचना का हिस्सा हैं और यह तभी सुनिश्चित किया जा सकता है, जब निर्वाचन आयोग स्वतंत्र हो और इसके कार्यों में स्वायत्तता प्रतीत भी हो।

गौरतलब है कि वर्ष 2024 में लागू किया गया मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 में यह प्रावधान है कि निर्वाचन आयोग में आयुक्तों की नियुक्तियां राष्ट्रपति द्वारा चयन समिति की सिफारिश के आधार पर की जाएंगी। इस समिति में पहले प्रधानमंत्री, प्रधान न्यायाधीश और लोकसभा में विपक्ष के नेता शामिल थे, मगर नए कानून में प्रधान न्यायाधीश की जगह केंद्रीय मंत्री को शामिल किया गया है। शीर्ष अदालत में इस कानून की संवैधानिकता को चुनौती दी गई है।

सवाल है कि तीन सदस्यीय चयन समिति में सरकार के दो प्रतिनिधि शामिल होने से क्या नियुक्ति प्रक्रिया में पूरी निष्पक्षता की उम्मीद की जा सकती है? ऐसे में अगर निर्वाचन आयोग की संरचना पर ही सवाल उठते रहे, तो जनता के भरोसे का क्या होगा। सर्वोच्च न्यायालय ने भी कहा है कि विश्वास का स्तर इतना होना चाहिए कि ऐसा प्रतीत हो कि चयन समिति में कोई तीसरा निष्पक्ष व्यक्ति भी शामिल है। शीर्ष अदालत की इस टिप्पणी से निर्वाचन आयोग में नियुक्ति प्रक्रिया को संतुलित किए जाने की उम्मीद जगी है।

ब्रिक्स विदेश मंत्रियों के 'दिल्ली–विमर्श' के निहितार्थ

—कमलेश पाण्डेय—

ब्रिक्स (BRICS) के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय दिल्ली बैठक ने दुनिया को कई महत्वपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक संदेश दिए हैं, जिनके कूटनीतिक निहितार्थ को समझने की जरूरत है। अन्यथा शेष दुनिया को अमेरिकी–यूरोपीय दादागिरी (नाटो सैन्य गठबंधन) के दुनियावी दांवपेंचों से निजात मिलनी मुश्किल है। लिहाजा, इस बैठक में मुख्य रूप से वैश्विक शक्ति–संतुलन, अमेरिकी प्रतिबंध नीति, पश्चिम एशिया संकट, वैश्विक व्यापार व्यवस्था और "ग्लोबल साउथ" की भूमिका पर जोर दिखाई दिया।

देखा जाए तो नई दिल्ली में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों का जमावड़ा लगा हुआ है। दो दिनों का यह 18वां शिखर सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया कई मोर्चे पर अस्थिरता से गुजर रही है। ब्रिक्स के सदस्य देश – ईरान और यूएई सीधे तौर पर इस हलचल में शामिल है। ऐसे में यह जुटान पूरी दुनिया के लिए अहम हो जाती है। इस अहम बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, रूस के विदेश मंत्री सर्जेई लावरोव और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची जैसे नेताओं के दूरदर्शिता भरे बयान विशेष चर्चा में रहे। जिसके दूनियायी मायने बेहद अहम हैं।

जिस तरह से कूटनीतिक सम्मेलन के पहले ही दिन जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खिलाफ लगाए जाने वाले एकतरफा प्रतिबंधों का जिक्र किया, जो सबसे ज्यादा विकासशील देशों को नुकसान पहुंचाते हैं। स्वाभाविक तौर पर उनका इशारा अमेरिका है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों की वजह से दुनिया को बहुत ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं, ईरान मामले में भी गतिरोध की वजह बहुत हद तक वॉशिंगटन की अव्यवहारिक मांगें है। ब्रिक्स के बड़े मंच से उठी आवाज का असर ज्यादा होगा।

विदेश मंत्री एस जयशंकर का उद्घाटन भाषण मौजूदा चुनौतियों का सही खाका खींचता है। पश्चिम एशिया पर मंडराता युद्ध का खतरा, ऊर्जा संकट, सप्लाई चेन में रुकावट और जलवायु परिवर्तन ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। तमाम देशों की अर्थव्यवस्था को मंदी में फंसने का डर सता रहा है। ऐसे में जैसा कि विदेश मंत्री ने कहा, विकासशील देशों ने ब्रिक्स से यह उम्मीद लगाई है कि यह मंच स्थिरता कायम करने में सकारात्मक भूमिका अदा करेगा। इसके कतिपय निहितार्थ इस प्रकार हैं–

पहला, एक ध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौती– बैठक का सबसे बड़ा संदेश यह था कि दुनिया अब केवल अमेरिका–केन्द्रित व्यवस्था पर निर्भर नहीं रहना चाहती। ब्रिक्स देशों ने "मल्टीपोलर वर्ल्ड" के दृष्टिगत बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। इसका अर्थ है कि वैश्विक निर्णयों में पश्चिमी देशों के साथ एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की शक्तियों की भी बराबर भूमिका हो।

दूसरा, अमेरिकी प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव का विरोध– भारत, रूस, चीन और ईरान सहित कई देशों ने एकतरफा प्रतिबंधों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और संप्रभुता के खिलाफ बताया। विशेष रूप से एस जयशंकर ने कहा कि प्रतिबंध और दबाव कूटनीति का विकल्प नहीं हो सकते। यह संदेश सीधे तौर पर अमेरिका की प्रतिबंध नीति की आलोचना माना गया।

तीसरा, डॉलर प्रभुत्व कम करने का संकेतब बैठक में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों पर भी चर्चा हुई। यह संदेश था कि ब्रिक्स देश डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं ताकि अमेरिकी आर्थिक दबाव का असर घटाया जा सके।

चतुर्थ, पश्चिम एशिया संकट पर चिंतारू ईरान–इजराइल तनाव और समुद्री मार्गों की सुरक्षा बड़ा मुद्दा रहा। ब्रिक्स देशों ने रेड सी और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे मार्गों की सुरक्षा पर जोर दिया। दुनिया को यह संदेश दिया गया कि क्षेत्रीय युद्ध अब वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा को सीधे प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि इस मंच के सामने भी चुनौती है। ईरान और यूएई के आपसी रिश्ते ठीक नहीं चल रहे। जबकि चीन ने अपने विदेश मंत्री को नहीं भेजा है।

एक बात और, जब सम्मेलन की शुरुआत हुई, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग तब ट्रंप की मेजबानी में व्यस्त थे। ब्रिक्स के सबसे बड़े विरोधी ट्रंप है। उन्हें लगता है कि यह मंच अमेरिकी हितों के खिलाफ खड़ा किया गया है। मेजबान होने के नाते यह भारत की जिम्मेदारी है कि यहां से निकला संदेश किसी के विरोध में नहीं, साझा हित में हो। भारत के पास सभी सदस्यों को करीब लाने और मौजूदा संकट का समाधान पेश करने का मौका है।

पांचवां, ग्लोबल साउथ की राजनीतिक आवाजरू बैठक में यह स्पष्ट हुआ किब्रिक्स स्वयं को केवल आर्थिक समूह नहीं बल्कि विकासशील देशों की सामूहिक राजनीतिक आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के देशों की समस्याओं जैसे खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा संकट और कर्ज को वैश्विक एजेंडा में प्रमुखता देने की बात कही गई।

छठा, संयुक्त राष्ट्र सुधार की मांगरू भारत और ब्राजील ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और विकासशील देशों के अधिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता दोहराई। यह संदेश था कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी संस्थाओं में अब नई वैश्विक वास्तविकताओं के अनुसार बदलाव होना चाहिए।

सातवां, ब्रिक्स के भीतर मतभेद भी सामने आएरू हालांकि बैठक में एकजुटता दिखाई गई, लेकिन यह भी स्पष्ट हुआ कि सभी सदस्य अमेरिका–विरोधी नीति पर पूरी तरह एकमत नहीं हैं। भारत और ब्राजील जैसे देश पश्चिम के साथ संतुलित संबंध बनाए रखना चाहते हैं, जबकि रूस और ईरान अधिक आक्रामक रुख चाहते हैं। इससे यह संकेत मिला कि ब्रिक्स अभी पूर्ण राजनीतिक गठबंधन नहीं, बल्कि साझा हितों वाला मंच है।

समग्र रूप से कहा जाए तो, इस बैठक का वैश्विक संदेश यह था कि उभरती शक्तियाँ अब विश्व राजनीति और अर्थव्यवस्था में अधिक स्वतंत्र, संतुलित और पश्चिम से अलग भूमिका चाहती हैं। ब्रिक्स ने यह दिखाने की कोशिश की कि "ग्लोबल साउथ' अब केवल दर्शक नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति–संतुलन का सक्रिय खिलाड़ी बनना चाहता है। चूंकि ब्रिक्स अब केवल उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का समूह नहीं रहा, इसकी भूमिका आज कहीं ज्यादा व्यापक हो चुकी है। वास्तव में यह वैश्विक संतुलन स्थापित करने में महत्वपूर्ण हो सकता है। भारत का रोल इसमें सबसे अहम हो जाता है। उसने पश्चिमी देशों के साथ रिश्ते बनाए हुए हैं, जबकि रूस, ईरान और चीन के साथ भी बैलेंस रखा है। उसने हमेशा संवाद से समाधान की बात की है। यह रवैया उसे भरोसेमंद साथी बनाता है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

शहरों के असली हीरो सफाई कर्मचारी

—डॉ. सत्यवान सौरभ—

किसी भी शहर की पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चौड़ी सड़कों या चमकती रोशनियों से नहीं, बल्कि उसकी स्वच्छता और व्यवस्था से होती है। जब कोई व्यक्ति किसी शहर में प्रवेश करता है, तो सबसे पहले उसकी नजर वहाँ की साफ–सफाई, वातावरण और नागरिक अनुशासन पर जाती है। स्वच्छ शहर केवल सुंदर नहीं दिखते, बल्कि वे बेहतर स्वास्थ्य, सुरक्षित जीवन और सभ्य समाज का प्रतीक भी होते हैं। लेकिन इस स्वच्छता के पीछे जिन लोगों का सबसे बड़ा योगदान होता है, वे अक्सर समाज की चर्चा और सम्मान से दूर रह जाते हैं। ये लोग हैं हमारे सफाई कर्मचारी कृ वे अनदेखे, अनसुने और उपेक्षित नायक, जिनके श्रम पर पूरे शहर की व्यवस्था टिकी होती है।

हाल ही में विभिन्न नगरों में सफाई कर्मचारियों की हड़ताल ने लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि यदि ये कर्मचारी अपना काम बंद कर दें, तो शहरों का जीवन कितनी जल्दी अस्त–व्यस्त हो सकता है। कुछ ही दिनों में सड़कों पर कचरे के ढेर लग गए, नालियाँ जाम हो गईं, बदबू फैलने लगी और बीमारियों का खतरा बढ़ गया। लोगों को पहली बार महसूस हुआ कि जिन सफाई कर्मचारियों को वे सामान्य कर्मचारी समझते हैं, वास्तव में वही शहर की धड़कन हैं।

विडंबना यह है कि हम आधुनिकता और विकास के बड़े–बड़े दावे तो करते हैं, लेकिन नागरिक जिम्मेदारियों के मामले में अभी भी बहुत पीछे हैं। हमारे शहरों में बड़ी संख्या में लोग सार्वजनिक स्थानों पर कचरा फेंकना, प्लास्टिक सड़क पर छोड़ देना और गंदगी फैलाना सामान्य बात समझते हैं। घर के भीतर सफाई रखने वाले लोग भी घर का कचरा बाहर सड़क पर डालकर अपनी जिम्मेदारी समाप्त मान लेते हैं। यही कारण है कि सफाई कर्मचारियों की अनुपस्थिति में शहर कुछ ही दिनों में कूड़े के ढेर में बदलने लगते हैं।

यह स्थिति केवल प्रशासनिक कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी कमजोर civic sense का प्रमाण भी है। विकसित देशों में नागरिक स्वयं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहते हैं। वहाँ लोग सड़क पर कचरा फेंकना सामाजिक अपराध मानते हैं। लेकिन हमारे यहाँ स्वच्छता को अब भी केवल सफाई कर्मचारियों और नगर निगम की जिम्मेदारी समझा जाता है। जब तक समाज स्वयं स्वच्छता को अपनी संस्कृति और आदत का हिस्सा नहीं बनाएगा, तब तक किसी भी सरकारी अभियान की सफलता अधूरी रहेगी।

सफाई कर्मचारियों का जीवन संघर्षों से भरा होता है। वे सुबह–सुबह तब काम शुरू कर देते हैं जब अधिकांश लोग नींद में होते हैं। तेज गर्मी, कड़ाके की सर्दी, बरसात या महामारी कृ हर परिस्थिति में वे सड़कों, गलियों और नालियों की सफाई करते हैं। कई बार उन्हें बिना पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों के बेहद अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों में काम करना पड़ता है। सीवर की सफाई करते समय जहरीली गैसों के कारण हर वर्ष कई कर्मचारियों की मृत्यु हो जाती है। इसके बावजूद समाज उन्हें वह सम्मान नहीं देता जिसके वे वास्तव में अधिकारी हैं।

कोविड–19 महामारी के दौरान जब पूरा देश घरों में बंद था, तब डॉक्टरों, पुलिसकर्मियों और सफाई कर्मचारियों ने अपनी जान जोखिम में डालकर समाज को सुरक्षित रखने का कार्य किया। उस समय लोगों ने ताली और थाली बजाकर उनका सम्मान तो किया, लेकिन समय बीतने के साथ हम फिर उन्हें भूल गए। आज भी अनेक सफाई कर्मचारी अस्थायी नौकरी, कम वेतन और असुरक्षित कार्य परिस्थितियों में काम करने को मजबूर हैं।

समाज का एक बड़ा वर्ग अब भी सफाई कार्य को हीन दृष्टि से देखता है। यह मानसिकता केवल गलत ही नहीं, बल्कि अमानवीय भी है। कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता। यदि सफाई कर्मचारी एक दिन काम बंद कर दें, तो पूरे शहर की व्यवस्था ठप पड़ सकती है। इसलिए उनका कार्य केवल नौकरी नहीं, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन की रक्षा का कार्य है।

इस पूरी स्थिति का सबसे पीड़ादायक दृश्य तब दिखाई देता है जब सड़कों पर फैले कचरे में गायों को भोजन खोजते देखा जाता है। भारतीय समाज में गाय को माता का दर्जा दिया जाता है, लेकिन वास्तविकता यह है कि वही गायें प्लास्टिक, सड़ा भोजन और जहरीला कचरा खाने को मजबूर हैं। यह दृश्य हमारी सामाजिक संवेदनहीनता को उजागर करता है। श्रद्धा केवल शब्दों और नारों से नहीं, बल्कि व्यवहार से सिद्ध होती है। यदि हम सचमुच गाय को पूजनीय मानते हैं, तो हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वह कचरे में भोजन तलाशने के लिए मजबूर न हो।

आज शहरों में बढ़ती प्लास्टिक समस्या ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। लोग बिना सोचे–समझे प्लास्टिक का उपयोग करते हैं और उसे खुले में फेंक देते हैं। यही प्लास्टिक नालियों को जाम करती है, पर्यावरण को प्रदूषित करती है और जानवरों के लिए जानलेवा बन जाती है। सफाई कर्मचारी प्रतिदिन इस गंदगी से जूझते हैं, लेकिन समस्या की जड़ नागरिकों की लापरवाही में छिपी हुई है।

सरकारें समय–समय पर स्वच्छता अभियान चलाती हैं। "स्वच्छ भारत अभियान" ने लोगों में जागरूकता पैदा करने का प्रयास किया, लेकिन केवल अभियान चलाने से स्थायी परिवर्तन नहीं आता। जब तक नागरिक स्वयं जिम्मेदारी नहीं निभाएँगे, तब तक स्वच्छता केवल सरकारी पोस्टरों और नारों तक सीमित रहेगी।

हमें यह समझना होगा कि सफाई केवल नगर निगम की जिम्मेदारी नहीं है। हर नागरिक का यह कर्तव्य है कि वह अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखे। कचरा अलग–अलग श्रेणियों में बाँटना, प्लास्टिक का कम उपयोग करना, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी न फैलाना और दूसरों को भी जागरूक करना कृ ये छोटी–छोटी आदतें बड़े परिवर्तन ला सकती हैं।

साथ ही सफाई कर्मचारियों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा भी उतनी ही आवश्यक है। उन्हें उचित वेतन, स्थायी रोजगार, स्वास्थ्य सुविधाएँ और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। सीवर सफाई जैसी खतरनाक प्रक्रियाओं में मशीनों का अधिक उपयोग होना चाहिए ताकि मानव जीवन जोखिम में न पड़े।

शिक्षा व्यवस्था में भी स्वच्छता और नागरिक जिम्मेदारी को व्यवहारिक रूप में शामिल करने की आवश्यकता है। बच्चों को केवल किताबों में स्वच्छता का पाठ पढ़ाने से काम नहीं चलेगा, बल्कि उन्हें व्यवहार में इसे अपनाने की प्रेरणा देनी होगी। जब नई पीढ़ी स्वच्छता को आदत बनाएगी, तभी समाज में वास्तविक परिवर्तन संभव होगा।

मीडिया और समाज को भी सफाई कर्मचारियों की समस्याओं और योगदान को प्रमुखता से सामने लाना चाहिए। आमतौर पर लोग उन्हें तभी याद करते हैं जब हड़ताल होती है या शहर में गंदगी फैलती है। लेकिन उनके दैनिक संघर्षों, मेहनत और योगदान पर बहुत कम चर्चा होती है। यदि समाज उन्हें सम्मान देगा, तो यह न केवल उनके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा बल्कि स्वच्छता के प्रति सामूहिक चेतना को भी मजबूत करेगा।

हमें यह भी समझना होगा कि स्वच्छता केवल सौंदर्य का विषय नहीं, बल्कि स्वास्थ्य और सम्पता का प्रश्न है। गंदगी से मच्छर, मक्खियाँ और अनेक बीमारियाँ फैलती हैं। अस्वच्छ वातावरण बच्चों, बुजुर्गों और गरीब वर्ग के लिए सबसे अधिक खतरनाक होता है। इसलिए सफाई कर्मचारियों का कार्य सीधे–सीधे समाज के स्वास्थ्य से जुड़ा हुआ है।

आज आवश्यकता केवल सफाई कर्मचारियों की हड़ताल समाप्त कराने की नहीं, बल्कि अपनी सोच बदलने की है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि शहरों को स्वच्छ रखने की जिम्मेदारी केवल कुछ कर्मचारियों पर नहीं डाली जा सकती। जब तक नागरिक स्वयं जिम्मेदार नहीं बनेंगे, तब तक गंदगी और अव्यवस्था की समस्या बनी रहेगी।

सफाई कर्मचारी वास्तव में हमारे शहरों के असली हीरो हैं। वे बिना किसी विशेष सम्मान या प्रसिद्धि की अपेक्षा के प्रतिदिन हमारे जीवन को बेहतर बनाने में लगे रहते हैं। उनकी मेहनत से ही शहर साँस लेते हैं, सड़कें चलने योग्य बनती हैं और समाज स्वस्थ रहता है।

यदि हम सचमुच एक सभ्य, संवेदनशील और विकसित समाज बनाना चाहते हैं, तो सबसे पहले हमें सफाई कर्मचारियों के प्रति अपनी सोच बदलनी होगी। उन्हें सम्मान देना, उनकी समस्याओं को समझना और स्वच्छता को अपनी जिम्मेदारी बनाना ही सच्ची नागरिकता है। यही वह रास्ता है जो हमारे शहरों को केवल चमकदार ही नहीं, बल्कि मानवीय और संस्कारित भी बनाएगा।

नेशन प्रथम पर आगे बढ़ता नेपाल

—संजय सक्सेना—

नेपाल की राजनीति इस समय बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। इस बदलाव से उसके चीन और भारत जैसे पड़ोसी नाराज होते हैं तो इसकी चिंता नेपाल को शायद नहीं है। नेपाल पूरी तरह से नेशन फर्स्ट पर चल रहा है। काठमांडू की सत्ता अब पहले की तरह भारत पर आर्थिक और राजनीतिक रूप से निर्भर रहने के पक्ष में नहीं दिखती। प्रधानमंत्री बालेन शाह की सरकार लगातार ऐसे फैसले ले रही है जिनसे यह साफ संकेत जाता है कि नेपाल अब 'नेपाल प्रथम' की नीति पर आगे बढ़ना चाहता है। यही वजह है कि व्यापार, सीमा, करेन्सी डयूटी और चीन के साथ रिश्तों जैसे मुद्दे अब नेपाल की घरेलू राजनीति और राष्ट्रवाद का हिस्सा बन चुके हैं। भारत के लिए चिंता केवल नेपाल के कुछ फैसले नहीं हैं, बल्कि वहां तेजी से बदलती राजनीतिक सोच है। नेपाल और भारत के बीच करीब 1850 किलोमीटर लंबी खुली सीमा है। दोनों देशों के नागरिक बिना वीजा और पासपोर्ट के आवाजाही करते हैं। अनुमान है कि हर दिन 50 हजार से ज्यादा लोग रोजगार, व्यापार, शिक्षा और पारिवारिक कारणों से सीमा पार करते हैं। नेपाल के कुल विदेशी व्यापार का लगभग 64 प्रतिशत हिस्सा भारत के साथ होता है। 2025–26 में दोनों देशों के बीच व्यापार करीब 13 अरब डॉलर तक पहुंच गया। लेकिन इसमें सबसे बड़ा असंतुलन यह है कि नेपाल ने भारत से करीब 11 अरब डॉलर का सामान आयात किया, जबकि उसका निर्यात केवल 2 अरब डॉलर के आसपास रहा। यही लगभग 9 अरब डॉलर का व्यापार घाटा अब नेपाल की नई राष्ट्रवादी राजनीति का सबसे बड़ा मुद्दा बन चुका है।

नेपाल के उद्योग परिसंघ और आर्थिक विशेषज्ञों का एक वर्ग लगातार यह दावा करता रहा है कि भारतीय बाजार से आने वाले सस्ते उत्पादों ने नेपाली उद्योगों को कमजोर कर दिया। कपड़ा उद्योग, कृषि आधारित कारोबार और छोटे विनिर्माण क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुए। इसी सोच के तहत बालेन शाह सरकार ने भारत से नेपाल लाए जाने वाले 100 नेपाली रुपये से अधिक कीमत के सामान पर कस्टम डयूटी लगाने का फैसला किया। सरकार का कहना था कि इससे घरेलू उद्योगों को संरक्षण मिलेगा और स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा। लेकिन इस फैसले का असर सीधे सीमा क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाला था। वीरगंज, विराटनगर, नेपालगंज और भैरहवा जैसे शहरों में हजारों छोटे व्यापारी भारतीय बाजारों से राशन, कपड़े, दवाइयां और घरेलू सामान खरीदकर नेपाल ले जाते हैं। व्यापारियों का अनुमान था कि नई डयूटी व्यवस्था लागू होने के बाद रोजमर्रा के सामानों की कीमतों में 15 से 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती थी। नेपाल पहले ही महंगाई और बेरोजगारी के दबाव से जूझ रहा है। विश्व बैंक के अनुसार नेपाल में युवा बेरोजगारी दर 20 प्रतिशत से ऊपर है। ऐसे में यह फैसला आम लोगों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ाने वाला माना गया।

नेपाल के भीतर इस फैसले का विरोध शुरू हो गया। व्यापारी संगठनों और सीमा–पार कारोबारियों ने इसे अव्यावहारिक बताया। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा और अदालत ने अंतरिम आदेश जारी करते हुए टैक्स वसूली पर रोक लगा दी। अदालत ने कहा कि सरकार को सीमा क्षेत्रों की सामाजिक और आर्थिक वास्तविकताओं को ध्यान में रखना होगा। अदालत के इस हस्तक्षेप ने साफ कर दिया कि नेपाल में राष्ट्रवादी राजनीति तेजी से बढ़ रही है, लेकिन उसकी सीमाएं अब भी संवेधानिक संस्थाएं तय कर रही हैं। दरअसल नेपाल में भारत को लेकर असहजता कोई नई बात नहीं है। 2015 में नेपाल के नए संविधान को लेकर पैदा हुए विवाद और उसके बाद सीमा पर आपूर्ति बाधित होने की घटनाओं ने भारत–विरोधी भावना को गहरा किया। उस समय नेपाल में पेट्रोल, गैस और दवाइयों की भारी कमी हो गई थी। नेपाल के भीतर बड़ी संख्या में लोग आज भी मानते हैं कि उस दौर में भारत ने दबाव की राजनीति अपनाई थी। उसी समय के बाद 'आर्थिक आत्मनिर्भरता' और 'राष्ट्रीय सम्मान' जैसे मुद्दे तेजी से लोकप्रिय हुए।

बालेन शाह ने इसी भावना को राजनीतिक ताकत में बदला। नेपाल की लगभग 42 प्रतिशत आबादी 25 वर्ष से कम उम्र की है और यही युवा वर्ग सोशल मीडिया आधारित राष्ट्रवादी राजनीति से तेजी से प्रभावित हो रहा है।

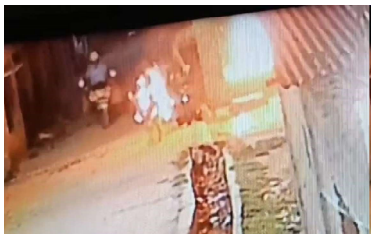

जिंदा जलते घर से बाहर निकलते कैमरे में कैद हुई महिला, जमीन विवाद में भाइयों पर आग लगाने का आरोप

संवाददाता–बहराइच। एक घर में आग लगने से एक महिला बुरी तरह से जल गई। वह जलती हुई चीखते हुए घर से बाहर निकली। घर के बाह ही उसका पति मिल गया, महिला को जलता देख उसने आग बुझाने की कोशिश की। महिला की गंभीर रूप से झुलस गई थी। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और महिला को अस्पताल में भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर महिला को लखनऊ रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच में घर से थोड़ी ही दूर पर एक सीसीटीवी लगा मिला। इस सीसीटीवी में पूरी घटना कैद हो गई है। पुलिस के मुताबिक, वीडियो में मामला संदिग्ध नजर आ रहा है। फुटेज में दिख रहा है कि महिला का पति एक डिब्बा लेकर आता है और उसे घर के अंदर रख देता है। बाहर निकलकर बाइक को पैदल ही घर के पीछे ले जाता है। इतनी ही देर में अचानक धमाके के साथ आग लग जाती है और महिला जलती हुई घर से बाहर निकलती है। पति भी तुरंत बाइक से घर के सामने पहुंचता है और आग बुझाने की कोशिश करता है। आग बुझाकर महिला को बाइक पर बैठाता है। तभी गली में महिला का भाई और भतीजा वहां पहुंचते हैं। दोनों महिला और उसके पति के साथ मारपीट करते हैं और महिला को जमीन पर पटक देते हैं। करीब चार मिनट के इस वीडियो को देखने के बाद पुलिस मामले को संदिग्ध मान रही है। एएसपी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि पुलिस जांच के दौरान एक सीसीटीवी फुटेज मिला है, जिसके आधार पर मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। मामले की जांच की जा रही है। वहीं, महिला के मुताबिक, उसके सौतेले भाई और भतीजे ने उसे घर में जिंदा जलाने की कोशिश की। फिर उसके और उसके पति के साथ मारपीट भी की। महिला के पति ने आरोपी भाई और भतीजे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है।

नुरुद्दीनचक गांव के राजीव (41) अपनी पत्नी चंदा (38) के साथ रहते हैं। चंदा जिस घर में रहती है, उसे लेकर उसका अपने सौतेले भाइयों से पिछले 5 सालों से झगड़ा चल रहा है। घर में अभी भी दरवाजे नहीं लगे हैं। चंदा की यह तीसरी शादी है। चंदा की पहली शादी नाजिरपुरा निवासी खुर्शीद से हुई थी। इसके बाद दूसरी शादी कानपुर में हुई, लेकिन दोनों पतियों से अनबन होने के कारण उसने उन्हें छोड़ दिया। वर्तमान में वह राजीव के साथ रह रही थी। दूसरे पति से उसकी एक बेटी शबनम है, जिसकी शादी हो चुकी है। राजीव जयपुर का रहने वाला है। एक सप्ताह पहले ही जयपुर से यहां आया था। राजीव ने एफआईआर में बताया कि वह चंदा के साथ तेबुनिशा मोहल्ले की शाहीदा कॉलोनी में किराए के मकान में रहता था। चंदा का अपना मकान नूरुद्दीनचक में है, जहां से वह पिछले कई दिनों से घरेलू सामान किराए के मकान में ला रही थी। राजीव के अनुसार, शनिवार रात करीब 8 बजे चंदा नूरुद्दीनचक स्थित अपने मकान पर गई थी, जबकि वह किराए के मकान में रुका हुआ था। रात करीब 12 बजे चंदा ने फोन कर बताया कि उसका अपने भाइयों से विवाद हो रहा है। सूचना मिलने पर वह वहां पहुंचा और दोनों ने मिलकर विवाद शांत कराने का प्रयास किया। राजीव का आरोप है कि इसी दौरान चंदा के सौतेले भाई शफी, शम्मी और आशफी ने उसके साथ मारपीट की और चंदा को भी धक्का दे दिया। इसके बाद आरोपियों ने मकान में घुसकर आग लगा दी, जिसमें चंदा गंभीर रूप से झुलस गई। उसने बताया कि आग में उनका मोबाइल फोन, पर्स और घरेलू सामान भी जल गया। राजीव ने आरोप लगाया कि आरोपी उन्हें फंसाने और जान से मारने की धमकी भी दे रहे हैं। महिला की हालत गंभीर देख डॉक्टर ने उसे लखनऊ रेफर कर दिया। महिला का आरोप है कि उसके सौतेले भाइयों मोहम्मद सफी, शमी और आश्मी ने घर में आग लगाई है। महिला के पति ने आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर थ्प्त् दर्ज कराई है। चंदा का अपने भाइयों के साथ जमीन और मनसुखी को लेकर सिविल खंड बहराइच में विवाद चल रहा है। बताया जा रहा है कि कुछ माह पूर्व उसने अपने सौतेले भाइयों के खिलाफ मारपीट समेत कई धाराओं में मुकदमा भी दर्ज कराया था। नारायण दत्त मिश्रा ने बताया कि आग लगने की सूचना मिली थी। आग पर काबू पा लिया गया है हादसे में झुलसी चंदा को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसे लखनऊ रेफर कर दिया गया है। महिला के पति राजीव की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आग किन कारणों से लगी और घटना कैसे हुई, इसकी जांच की जा रही है।

पेट्रोल पंपों पर डीजल नहीं मिलने से भड़के किसान, सड़क पर ट्रैक्टर खड़ा कर लगाया जाम

संवाददाता–महराजगंज। क्षेत्र में गहराते डीजल संकट ने अब किसानों की चिंता को आंदोलन में बदल दिया है। शनिवार सुबह परतावल क्षेत्र के पिपरपाती स्थित पेट्रोल पंप पर डीजल लेने पहुंचे किसानों का गुस्सा उस समय भड़क उठा जब घंटों इंतजार के बाद उन्हें बताया गया कि पंप पर डीजल उपलब्ध ा नहीं है। देखते ही देखते नाराज किसानों ने ट्रैक्टर और बाइक सड़क पर खड़ी कर गोरखपुर–महराजगंज मुख्य मार्ग जाम कर दिया। सड़क के दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई और करीब 15 मिनट तक यातायात प्रभावित रहा। बताया जा रहा है कि भोर से ही आसपास के गांवों के किसान ट्रैक्टर, ड्रम और गैलन लेकर पेट्रोल पंप पर पहुंच गए थे।

किसान खेतों की जुताई, धान की नर्सरी और सिंचाई के लिए डीजल लेने आए थे, लेकिन लगातार इंतजार के बाद भी डीजल नहीं मिला। इससे नाराज किसानों ने प्रशासन और पेट्रोल पंप संचालकों के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। कुछ किसानों ने आरोप लगाया कि आम किसानों को डीजल नहीं दिया जा रहा, जबकि चुनिंदा लोगों को आधी रात को तेल उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रदर्शन कर रहे किसानों का कहना था कि इस समय धान की नर्सरी डालने और खेत तैयार करने का सबसे महत्वपूर्ण समय चल रहा है। यदि समय पर डीजल नहीं मिला तो खेती पूरी तरह प्रभावित हो जाएगी। किसानों ने कहा कि ट्रैक्टर बंद पड़े हैं, सिंचाई रुक गई है और खेतों की तैयारी नहीं हो पा रही।

कई किसानों ने चिंता जताई कि यदि यही हाल रहा तो इस बार खेत परती रह जाएंगे और उत्पादन पर बड़ा असर पड़ेगा। जाम की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस कर्मियों ने किसानों को समझाने का प्रयास किया और किसी तरह सड़क से जाम हटवाया। किसानों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वे बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे।

क्षेत्र में लगातार बढ़ रही डीजल की किल्लत अब आम लोगों के साथ–साथ किसानों के लिए भी गंभीर संकट बनती जा रही है। खेती–किसानी के सबसे अहम समय पर ईंधन की कमी ने ग्रामीण इलाकों में बेचौनी बढ़ा दी है। किसानों का कहना है कि यदि प्रशासन ने समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी तो आने वाले दिनों में हालात और बिगड़ सकते हैं।

एसओ अभिषेक सिंह ने बताया कि जाम की सूचना पर पुलिस पहुंची है। आवागमन सुचारू रूप से संचालित कराया गया है। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है

मुकदमा वापसी की मांग को लेकर वकीलों ने किया प्रदर्शन

संवाददाता–गोण्डा। सीओ करनैलगंज द्वारा वकीलों पर दर्ज कराये गये मुकदमें की वापसी की मांग को लेकर शनिवार को जिला बार एसोसिएशन व सिविल बार एसोसिएशन ने संयुक्त रूप से धरना प्रदर्शन किया गया। इसका नेतृत्व संयुक्त रूप से बार एसोसिएशन व सिविल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष क्रमशः रविचन्द्र त्रिपाठी तथा विजय प्रकाश त्रिपाठी ने किया। संचालन महामंत्री सुनील कुमार पाण्डेय एवं गौरी शंकर चतुर्वेदी ने किया। इसकी वजह से सिविल न्यायालय परिसर एवं कलेक्ट्रेट परिसर में न्यायिक कार्य ठप रहा। अधिवक्ताओं ने सिविल न्यायालय परिसर के गेट नंबर दो पर शान्तिपूर्ण धरना व जनसभा आयोजित किया और शासन व प्रशासन को चेतावनी दी कि अगर अधिवक्ताओं पर दर्ज कराये गये झूठे मुकदमें वापस नहीं लिये गये तो आन्दोलन को और तेज किया जायेगा।

सभा को सम्बोधित पूर्व अध्यक्ष माधवराज मिश्र, राम बुझारथ द्विवेदी, राजेन्द्र प्रसाद त्रिपाठी, विन्देश्वरी प्रसाद दूबे, उपेन्द्र कुमार मिश्रा, वीरेन्द्र त्रिपाठी, कौशल किशोर पाण्डेय, दीनानाथ त्रिपाठी एवं पूर्व महामंत्री संजय कुमार सिंह, मनोज कुमार सिंह, अशोक कुमार तिवारी, प्रदीप पाण्डेय, अजेय विक्रम सिंह, जगन्नाथ शुक्ल, जमील अहमद, रितेश यादव, मनोज मिश्रा, रूचि मोदी, सन्त बक्श मिश्रा, राम नाथ पाण्डये, सुरेन्द्र शुक्ल, शिव प्रसाद वर्मा, माया शंकर श्रीवास्तव, प्रदुम्मन शुक्ला ने संबोधित किया। अन्त में जिलाधिकारी गोण्डा के प्रतिनिधि स्वरूप धरना स्थल पर पहुंचे अपर उपजिलाधिकारी प्रथम को मुख्यमंत्री उप्र को सम्बोधित मागपत्र सौंपकर धरने का समापन किया गया। इस मौके पर वरिष्ठतम उपाध्यक्ष विनय कुमार तिवारी, श्रीभगवान पाण्डेय, राकेश शर्मा, विनय कुमार मिश्रा, श्रीकान्त पाण्डेय, शिवम त्रिपाठी, राम गोपाल पाठक, मनोज कुमार श्रीवास्तव नीरज, इन्द्रमणि शुक्ल, अजय तिवारी, डीपी ओझा, चन्द्रमणि तिवारी, आलोक कुमार पाण्डेय, नन्द गोपाल शुक्ल, राजेन्द्र प्रसाद द्विवेदी, रजनी त्रिपाठी, उमेश प्रताप मिश्र, शुभम चौबे, रहस्य बिहारी मिश्र समेत अन्य अधिवक्ता मौजूद रहे।

बाल श्रम विरोधी 'श्रम नहीं शिक्षा' अभियान शुरू

संवाददाता–महराजगंज। पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति ने शनिवार को बरगदवा बाजार स्थित इंद्र प्रसाद चौधरी इंटरमीडिएट कॉलेज में श्श्रम नहीं शिक्षाश अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम तारकेश्वर गुप्ता की अध्यक्षता में हुआ। यह 44 दिवसीय अभियान बाल श्रम मुक्त उत्तर प्रदेश के संकल्प के साथ 30 अप्रैल 2026 से 12 जून 2026 तक चलाया जाएगा। कार्यक्रम के शुभारंभ में बाल संरक्षण अधिकारी श्रवण कुमार ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य श्हर बच्चे का हक श्रम नहीं शिक्षा है, औजार नहीं किताबश के संदेश को जन–जन तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि 18 वर्ष तक मुफ्त और अनिवार्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समुदाय की सक्रिय भागीदारी, युवाओं का नेतृत्व और कानून का प्रभावी क्रियान्वयन बाल श्रम को रोकने में सहायक होगा।

बरगदवा थाना के उप निरीक्षक अमित कुमार ने बाल श्रम रोकने के उपायों पर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऐसी किसी भी सूचना के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 और 112 पर संपर्क किया जा सकता है। सशस्त्र सीमा बल की 22वीं बटालियन बरगदवा के इंस्पेक्टर विशाल सिंह ने अपनी टीम के साथ भारतीय सीमा क्षेत्र के दुकानदारों और राहगीरों को भी बाल श्रम के प्रति जागरूक किया।

इस अवसर पर पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति के सुनील कुमार ने हैंड बिल और पोस्टर के माध्यम से लोगों को जागरूक किया। पुष्पा देवी ने दुकानदारों और अन्य उपस्थित लोगों को हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया। बच्चों, शिक्षकों और दुकानदारों सहित सभी उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना की।

बेकाबू होकर पानी भरे गड्ढे में गई कार, महिला सर्जन बाल-बाल बचीं

संवाददाता–कुशीनगर। खड्डा–पडरौना मार्ग पर शनिवार की भोर बगहवाइनार के आगे एक कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पानी भरे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में कार चला रहीं महिला सर्जन बाल–बाल बच गईं। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। काफी प्रयास के बाद कार को भी गड्ढे से बाहर निकाला गया।जानकारी के अनुसार कुशीनगर जिले के कसया निवासी डॉ. पूजा शर्मा सर्जन हैं। शनिवार की भोर वह अपनी निजी कार से खड्डा स्थित मेडि सिटी अस्पताल में भर्ती एक महिला की डिलीवरी का ऑपरेशन करने आ रही थीं। इसी दौरान खड्डा थाना क्षेत्र के मठिया के आगे बगहवाइनार के समीप उनकी कार अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पानी से भरे गड्ढे में चली गई।कार गड्ढे में गिरते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और तत्परता दिखाते हुए डॉ. पूजा शर्मा को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। गनीमत रही कि हादसे में उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई। बाद में लोगों की मदद से कार को भी गड्ढे से बाहर निकाला गया।

नल में उतरे करंट की चपेट में आने से महिला की मौत

संवाददाता–महराजगंज। पनियरा थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत इलाहाबाद में शनिवार सुबह नल में उतरे करंट की चपेट में आने से 35 वर्षीय शमा परवीन बुरी तरह से घायल हो गई। उसे इलाज के लिए परिजन ले जा रहे थे कि रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। मां की असमय मौत से दोनों मासूम बच्चों के सिर से ममता का साया उठ गया है। घटना सुनकर कर आसपास के लोगों की काफी घ्भीड़ इकट्ठा हो गई। शनिवार की सुबह महिला मोटर चलाकर नल पर पानी भरने गई थी। इसी दौरान नल के पाइप में करंट उतर आया और वह उसकी चपेट में आ गईं। करंट लगने से वह पीछे की ओर गिर पड़ीं और उनका पैर नल के पाइप में फंस गया, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस कर घायल हो गईं।

थोड़ी देर बाद उसका पति समीर अंसारी बाहर निकला तो पत्नी को नल के पास अचेत अवस्था में पड़ा देखा। उसने तुरंत मोटर का स्विच बंद किया और शोर मचाया। आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। परिजन उन्हें आनन–फानन में निजी वाहन से पनियरा ले जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई।

मृतका का पति समीर अंसारी प्लंबर का कार्य करता हैं। उसके दो बेटे अरशद अंसारी 10 व बेटा अर्सलान 3 वर्ष है। सूचना पर मायके पक्ष के लोग भी पहुंच गए। परिवार के लोगों का रो–रोकर बुरा हाल है।

पिकअप ने सामने से बाइक को मारी टक्कर , दो युवकों की मौत

संवाददाता–गोण्डा। उत्तर प्रदेश में गोंडा जिले के मोतीगंज थाना क्षेत्र के काजीदेवर सीएचसी के सामने शनिवार को गोण्डा की तरफ से जा रही पिकअप ने सामने से आ रही बाइक को टक्कर मार दी। इस घटना में दोनों बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों को सीएचसी ले जाया गया, जहां से मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। मेडिकल कालेज पहुंचने से पहले दोनों ने दम तोड़ दिया। बताया जाता है कि शनिवार को करीब 11 बजे अंकित पासवान (19) पुत्र अनिल कुमार उर्फ दसमी निवासी झिलाही तथा राम अवतार पासवान (20) पुत्र बेचू पासवान मोटरसाइकिल से झिलाही से दर्जीकुआं की ओर जा रहे थे। इसी दौरान दर्जीकुआं से मनकापुर की तरफ जा रही एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने सीएचसी काजी देवर के सामने उनकी बाइक में सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े और मोटरसाइकिल भी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को तत्काल मेडिकल कॉलेज पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। हादसे के बाद पुलिस ने पिकअप वाहन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। वहीं, आसपास के लोगों का कहना है कि सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों के कारण आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं, लेकिन इस ओर प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं।

शादी में विवाद, बीच बचाव करने गए शख्स की हत्या चार आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–बलरामपुर। सादुल्लानगर थाना क्षेत्र में एक शादी समारोह के दौरान हुए विवाद में बीच–बचाव करने पहुंचे एक अधेड़ की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 24 घंटे के भीतर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर हत्या का खुलासा कर दिया है।

यह घटना 14 मई 2026 को हुई थी। ग्राम परशुरामपुर निवासी तेज बहादुर यादव एक शादी समारोह में श्मउर सेरवानेश के कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। वहां महिलाओं के बीच विवाद शुरू हो गया, जिसे शांत कराने के लिए तेज बहादुर बीच–बचाव करने पहुंचे।

आरोप है कि इसी दौरान रामदास कश्यप, रिंकू, जयकरन कश्यप और हजारी ने उन पर लोहे की रॉड और लाठी–डंडों से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल तेज बहादुर को पहले सीएचसी सादुल्लानगर ले जाया गया, जिसके बाद उन्हें गोंडा जिला अस्पताल रेफर किया गया।

इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई।

मृतक की पत्नी सुशीला देवी की शिकायत पर सादुल्लानगर थाने में हत्या सहित संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के निर्देश पर थाना प्रभारी सत्येन्द्र वर्मा के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई। टीम ने मुखबिर की सूचना पर मथुरा–मनकापुर रोड से चारों नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ के दौरान, आरोपी रिंकू ने स्वीकार किया कि उसने तेज बहादुर के सिर पर चेन स्पाकेट लगी लोहे की रॉड से वार किया था। अन्य आरोपियों ने लाठी–डंडों से हमला किया था। घटना को अंजाम देने के बाद सभी आरोपी हथियारों को झाड़ियों में छिपाकर फरार हो गए थे और लखनऊ भागने की फिराक में थे। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल की गई चेन स्पाकेट लगी लोहे की रॉड और दो लकड़ी के डंडे बरामद कर लिए हैं। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान रामदास कश्यप, रिंकू, जयकरन कश्यप और हजारी के रूप में हुई है। ये सभी सादुल्लानगर थाना क्षेत्र के निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि इनमें से दो आरोपियों के खिलाफ पहले से ही मारपीट और धमकी के मामले दर्ज हैं।

इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष सत्येन्द्र वर्मा के नेतृत्व में उपनिरीक्षक सुरेन्द्र प्रताप सिंह, दुर्गेश तिवारी, शैलेन्द्र कुमार यादव सहित कई पुलिसकर्मी शामिल थे।

तीसरी कक्षा में पढ़ने वाली छात्रा की मिली नग्न लाश, मुंह में ठूंसा था कपड़ा

संवाददाता–बहराइच। बाग जाने के लिए शुक्रवार सुबह घर से निकली छात्रा रहस्यमय तरीके से गायब हो गई। शनिवार सुबह झाड़ियों से उसका शव मिला। मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था। शरीर पर कपड़े नहीं थे। दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जताई जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया है। फॉरेंसिक टीम भी मौके से साक्ष्य जुटा रही है। एक गांव निवासी छात्रा प्राथमिक विद्यालय में कक्षा तीन में पढ़ती थी। शुक्रवार को छात्रा स्कूल नहीं गई थी। वह सुबह बाग से आम लाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन वापस नहीं लौटी। परिजनों ने तलाश शुरू की। लेकिन छात्रा का कहीं पता नहीं चला। इस पर परिवार के लोगों ने थाने पर प्राथमिकी दर्ज कराई। परिजनों के साथ ही ग्रामीण और पुलिस लगातार छात्रा की तलाश में जुटे हुए थे। इसी बीच शनिवार सुबह बाग से कुछ दूरी पर स्थित मक्के के खेत से छात्रा का शव मिला। भारी भीड़ जमा हो गई। छात्रा के मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था और शरीर पर कपड़े नहीं थे, जिससे ग्रामीणों में गहरा आक्रोश फैल गया। घटना के बाद पूरे गांव में मातम और दहशत का माहौल है, वहीं परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। एसपी विश्वजीत श्रीवास्तव, एएसपी डीपी तिवारी, क्षेत्राधिकारी महसी पवन कुमार और प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही फॉरेंसिक टीम की मदद से भी साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। एसपी ने बताया कि पुलिस मामले के हर पहलू की गंभीरता से जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों पर स्थिति स्पष्ट होने की बात कही जा रही है। घटना को लेकर क्षेत्र में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

सपा नेताओं का बैलगाड़ी से प्रदर्शन, महंगाई के विरोध में राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा

संवाददाता–देवरिया। बढ़ती महंगाई, पेट्रोल–डीजल की किल्लत और रसोई गैस के बढ़ते दामों के विरोध में शुक्रवार को समाजवादी पार्टी (सपा) कार्यकर्ताओं ने बरहज विधानसभा क्षेत्र में प्रदर्शन किया। सपा नेता विजय रावत के नेतृत्व में कार्यकर्ता बैलगाड़ी पर सवार होकर बरहज तहसील पहुंचे और राज्यपाल के नाम संबोधित एक ज्ञापन एसडीएम बरहज को सौंपा। प्रदर्शन के दौरान सपा कार्यकर्ताओं ने भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों को महंगाई का मुख्य कारण बताया। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस के दाम लगातार बढ़ रहे हैं, जिससे आम जनता का जीवन प्रभावित हो रहा है। सपा नेता विजय रावत ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की भाजपा सरकार की नीतियों के कारण आम जनता महंगाई की मार झेल रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि लगातार बढ़ती कीमतों से गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों का बजट बिगड़ गया है।

रावत ने आगे कहा कि भाजपा ने चुनाव के समय जनता से महंगाई कम करने और युवाओं को रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन सरकार बनने के बाद इन वादों को पूरा नहीं किया गया। उन्होंने मौजूदा स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज नौजवान बेरोजगारी और किसान बढ़ती लागत से परेशान हैं। रावत ने दावा किया कि जनता अब बदलाव चाहती है और वर्ष 2027 में प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनेगी। सपा नेताओं ने बताया कि पेट्रोल–डीजल की किल्लत और बढ़ती कीमतों के कारण आम लोगों के साथ–साथ किसानों और व्यापारियों को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस प्रदर्शन का उद्देश्य सरकार को जनता की इन समस्याओं से अवगत कराना था। इस दौरान अमित प्रधान, संजय कुमार प्रधान, राहुल सिंह, विकास यादव, दिनेश कुमार, रणविजय सिंह, राजेंद्र सिंह और अनिल तिवारी सहित बड़ी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को मिले स्मार्टफोन

संवाददाता–गोण्डा। बभनजोत विकास खंड स्थित बाल विकास परियोजना कार्यालय में शनिवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान मुख्य सेविकाओं और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्ट मोबाइल फोन वितरित किए गए। इस अवसर पर गौरा विधायक प्रभात कुमार वर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण और डिजिटल सेवाओं के विस्तार के लिए लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को दिए गए स्मार्टफोन से विभागीय कार्यों के संचालन में तेजी और पारदर्शिता आएगी।

इन स्मार्टफोन के माध्यम से पोषण ट्रैकर ऐप पर बच्चों तथा गर्भवती महिलाओं का डेटा ऑनलाइन दर्ज करना आसान होगा, जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेगा।

इस दौरान विधायक ने मुख्य सेविकाओं और आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को स्मार्टफोन सौंपे। कार्यक्रम में मुख्य सेविका सोनम श्रीवास्तव, ।क्प्ट ईदल प्रसाद, विक्रम प्रसाद वर्मा, विशुनू सिंह, सरोज सिंह, आरती, प्रीति भारती, रुचि, प्रियंका मिश्रा, सत्य प्रकाश वर्मा, त्रिवेणी समेत बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां मौजूद रहीं।

वट सावित्री पूजा कर महिलाओं ने मांगी पति की लंबी उम्र की कामना

संवाददाता–महराजगंज। शनिवार को जिले में वट सावित्री व्रत की धूम रही। पंचांग के अनुसार ये व्रत हर साल ज्येष्ठ महीने की अमावस्या तिथि पर रखा जाता है। इस दिन विवाहित महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र, सुख–समृद्धि और अखंड सौभाग्य के लिए व्रत रखती हैं। शनिवार को नगर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में सुहागिन महिलाओं ने उत्तम मुहूर्त में विधि–विधान से वटवृक्ष में कलावा लपेट कर पूजा अर्चना कर पति की लंबी उम्र की कामना की।आचार्य लोकनाथ तिवारी ने बताया कि सनातन धर्म में वट वृक्ष की पूजा वर्षों से चली आ रही है। वट सावित्री व्रत की पूजा हर साल महिलाएं करती हैं।

तेज रफ्तार बस पेड़ से टकराई, नानपारा मार्ग पर चालक समेत 23 यात्री घायल

संवाददाता–बहराइच। बहराइच–नानपारा मार्ग पर शनिवार दोपहर एक निजी यात्री बस अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में चालक सहित कुल 23 लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर मटेरा चौकी इंचार्ज पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया।

बस बहराइच के प्राइवेट बस स्टैंड से यात्रियों को लेकर मिहिपुरवा जा रही थी। मटेरा थाना क्षेत्र के भवनियापुर के पास पहुंचने पर बस अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे लगे बबूल के पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस में बैठे यात्रियों में चीख–पुकार मच गई।

घायलों में बूंदीलाल, फूलकुमारी, मीरा, मोनू, दीपिका, वर्तिका, कुंती, अनीता, हनीफ, ममता और अनूप सहित कुल 23 लोग शामिल हैं। मटेरा चौकी प्रभारी गोपाल तिवारी ने बताया कि सभी घायलों को एंबुलेंस की सहायता से नानपारा स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यासः सीएम योगी बोले– जाति, धर्म व भाषा के नाम पर बांटने वाले आपके हितैषी नहीं

संवाददाता–गोरखपुर। सीएम योगी ने कहा कि सरकार के पास जमीन होगी तो उसका इस्तेमाल लोक कल्याण में होगा। यदि इसपर कोई कब्जा करेगा तो वह अपने लिए इस्तेमाल करेगा। सरकारी भूमि का इस्तेमाल लोक कल्याण के लिए होना चाहिए। प्रदेश को गुंडा मुक्त और माफिया मुक्त किया तो तेजी से विकास होने लगा। जो लोग जाति धर्म और भाषा के नाम पर बांटते हैं वो आपके हितैषी नहीं हो सकते। इनके पास जब भी सत्ता आई तब इन्होंने उसका इस्तेमाल अपने परिवार, अराजकता और गुंडागर्दी के लिए किया। मुख्यमंत्री शनिवार को ताल नदोर में बन रहे इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम के भूमिपूजन और शिलान्यास के बाद उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि जब पूरा देश और दुनिया पश्चिम एशिया संकट से जूझ रहा है। पूरी दुनिया में उथल पुथल है। पेट्रोलियम पदार्थों के दाम आसमान छू रहे हैं। इस परिस्थिति में भी केंद्रीय मंत्री ने बेहतरीन काम किया है। तेल कंपनियों पर भले बोझ आ जाए लेकिन जनता को राहत मिलनी चाहिए। सीएम ने कहा कि 2014 के बाद पीएम मोदी ने खेलों को आगे बढ़ाया। इसी की देन है कि आज खिलाड़ी मेडल लेकर आ रहे हैं। उनके लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर देना हमारी जिम्मेदारी है। हम हर गांव में खेल का मैदान बना रहे हैं। हर विकास खंड पर मिनी स्टेडियम और हर जिले में स्टेडियम बनाने का काम हो रहा है।

हर कमिश्नरी में स्पोर्ट्स कॉलेज हो। मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का निर्माण भी इसी साल पूरा हो जाएगा। वाराणसी में इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम बन रहा है। 40 एकड़ में स्टेडियम बन रहा है। यहां पार्किंग होगी। यहीं बगल में बेहतरीन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाएंगे। यहां होटल बनेंगे। पहले यहां बंजर था, जिसका मन करे कब्जा कर लेता था। सामने वेटनरी कॉलेज का निर्माण हो रहा है। यहां तमाम पशु चिकित्सक तैयार होंगे। उन्होंने कहा कि 10 वर्ष पहले तक गोरखपुर से वाराणसी जाने में चार से पांच घंटे लगते थे। अब मात्र दो से ढाई घंटे में पहुंच जाते हैं। लखनऊ की दूरी अब साढ़े तीन घंटे में तय कर लेते हैं। विकास का कोई विकल्प नहीं हो सकता।

डबल इंजन की सरकार आम जन और विकास की परियोजनाओं को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। आज हर जनपद में फोरलेन की कनेक्टिविटी मिलेगी। एयरपोर्ट और एक्सप्रेसवे की कनेक्टिविटी मिलेगी। ओलंपिक्स, एशियाड और अन्य अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में मेडल पाने वाले खिलाड़ियों को सीधी भर्ती में नौकरी दी है। आज युवाओं का सपना साकार हुआ है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि यहां आकर एक अलग आत्मीयता का अनुभव हो रहा है। पूर्वी यूपी से विशेष जुड़ाव रहा है। काशी में भी विकास की नई गाथा का साक्षी बनने का सौभाग्य मिला। यूपी में जितनी तेजी से विकास हुआ है उतना दूसरे किसी प्रदेश में नहीं हुआ।

2017 से पहले सपा सरकार में मंत्रालय ने प्रधानमंत्री आवास योजना में काफी मेहनत की। इसके बाद भी 17 हजार से बढ़ नहीं पाए। इसके बाद तेजी से आंकड़े बढ़ने लगे। एक समय यूपी के लोग जनसंख्या और संभावनाओं के लिए बस जाने जाते थे। आज ये आधुनिकता और विकास के लिए जाना जा रहा है। कानून व्यवस्था में भी व्यापक सुधार आया है। कानून व्यवस्था मजबूत होती है तो निवेश और उद्योग आते हैं। इससे रोजगार के भी अवसर उत्पन्न होते हैं। सुबह हमने इथेनॉल के प्रोजेक्ट की बात की। उसपर सीएम ने तुरंत कहा कि आप प्रपोजल दीजिए हम इसे आगे बढ़ाएंगे।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यूपी में बेहतर कनेक्टिविटी है। आज यूपी की ओर देश विदेश के निवेशक देख रहे हैं। इस स्टेडियम में केवल क्रिकेट नहीं होगा। यहां सपने तैयार होंगे। आने वाले समय में यहां से ऐसे खिलाड़ी निकलेंगे जो पूरे देश में नाम करेंगे। केंद्रीय राज्य मंत्री ग्राम्य विकास एवं सांसद बांसगांव कमलेश पासवान ने कहा कि पिछले 30 वर्ष से क्रिकेट खेलते हैं लेकिन रेलवे और सेंट एंड्रयूज ग्राउंड को छोड़कर कोई मैदान नहीं था। आने वाले समय में यहां से रोहित और विराट जैसे प्लेयर निकलेंगे।

आज भी यहां से प्लेयर आईपीएल में खेल रहे हैं। इन्फ्रास्ट्रक्चर न होने की वजह से प्लेयर यहां से बाहर जाते थे। अब हम लोगों को इंटरनेशनल मैच के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। यहीं से हमलोग मैच देख सकेंगे। प्रदेश के खेल मंत्री गिरीश चंद यादव ने कहा कि हर ग्राम पंचायत में खेल के मैदान विकसित किए जा रहे हैं। हर विकास खंड पर एक ग्रामीण खेल मिनी स्टेडियम का निर्माण करेंगे।

सांसद रविकिशन शुक्ल ने कहा कि किसी ने सोचा नहीं था कि इस तरह का विकास भी देखने को मिलेगा। यहां बेटियां क्रिकेट खेलेंगी। उनके सपनों को पंख मिलेगा। यहां इंटरनेशनल मैच होंगे। आईपीएल के मैच होंगे और हम भोजपुरी में कमेंट्री करेंगे। यहां होटल बनेगा। हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। आसपास की जमीन की कीमत बढ़ गई। माता पिता से निवेदन है कि खेल को बढ़ावा दें। जो खेल में पसीना बहाएगा वो नशे से दूर रहेगा। पिछली सरकार ने लूटा है। जाति पाती कि राजनीति की है। रंगदारी हत्या की है। महिलाओं के साथ अन्याय किया। बिल गिरा दिया। इसकी सजा बंगाल के चुनाव में उनको मिली।

अतिथियों का स्वागत गोरखपुर ग्रामीण विधायक विपिन सिंह ने किया।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश (आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0–67 / 2023
हनुमान प्रसाद
बनाम
मो0 इद्रीश आदि
1. मो0 इद्रीश उम्र लगभग 55 साल पुत्र भानू 2. मो0 हनीफ उम्र लगभग 50 साल पुत्र फैजुल्लाह 3. योगेन्द्र कुमार उम्र लगभग 40 साल पुत्र रामफेर 4. रामदास उम्र लगभग 52 साल पुत्र सुमिरन (मृतक)
4/1 राजेश उम्र 37 साल 4/2 विक्की उर्फ बलराम उम्र 33 साल 4/3 प्रहलाद उम्र 28 साल पुत्रगण स्व0 रामदास साकिनान मौजा रखौना तप्पा पिपरा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती
–विपक्षीगण / प्रतिवादीगण
तारीख पेशी 17–07–2026
हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।
लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 17 माह 07 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।
मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 16 माह 05 सन 2026 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

न्यायालय सिविल जज (जू0डि0) नौगढ़ सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा
प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 02/2026
1– महावीर उम्र करीब 46 वर्ष पुत्र राम मनोहर निवासी ग्राम औरहीकला तप्पा ढेबरूआ परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जनपद–सिद्धार्थनगर
–बनाम–
इस्टेट
तारीख पेशी– 22.05.2026
प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम
अपने माता/पुत्र मृतक श्रीमती गोमती को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।
चूंकि ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 05 के 22 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (जू0डि0) नौगढ़ सिद्धार्थनगर में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा। 2026 के 05 के 15 दिवस को दिनांकित।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
सिविल निगरानी सं0–42 / 2023
अदालत– श्रीमान प्रथम अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सुमन्त सिंह
बनाम
प्रहदाल सिंह आदि
1. प्रहदाल सिंह 2. अवध बिहारी सिंह पुत्रगण स्व0 रामसिंह 3. श्रीमती प्रभावती देवी पत्नी प्रहलाद सिंह निवासीगण ग्राम खाईनारा तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 10–07–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 10 महीना 07 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील
सिविल निगरानी सं0–41 / 2023
अदालत– श्रीमान प्रथम अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
सुमन्त सिंह
बनाम
प्रहदाल सिंह आदि
1. प्रहदाल सिंह 2. अवध बिहारी सिंह पुत्रगण स्व0 रामसिंह 3. श्रीमती प्रभावती देवी पत्नी प्रहलाद सिंह निवासीगण ग्राम खाईनारा तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 10–07–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट
इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 10 महीना 07 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।
आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।
द0 हाकिम

2.41 करोड़ की पेयजल योजना का लोकार्पण

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जनपद के विकास खंड जोगिया अंतर्गत ग्राम पंचायत सोनौरा में शनिवार को जल जीवन मिशन के तहत नवनिर्मित पेयजल परियोजना का लोकार्पण किया गया। विधायक श्यामधनी राही ने मुख्य अतिथि के रूप में फीता काटकर और जल संकल्प के साथ योजना का शुभारंभ किया। इस परियोजना से गांव के 361 परिवारों को अब सीधे उनके घरों तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। यह परियोजना लगभग 2 करोड़ 41 लाख 37 हजार रुपये की लागत से तैयार हुई है, जिसे वर्ष 2022–23 में स्वीकृति मिली थी। इसके तहत गांव में 175 किलोलीटर क्षमता का शिरोपरि जलाशय बनाया गया है। साथ ही, लगभग 7.980 किलोमीटर लंबी पाइपलाइन बिछाकर हर घर तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था की गई है। योजना को आधुनिक और पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए 16 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल प्लांट भी लगाया गया है। यह प्लांट बिजली की बचत के साथ नियमित जलापूर्ति सुनिश्चित करेगा। पानी की आपूर्ति के लिए 550 लीटर प्रति मिनट क्षमता वाला पंपिंग प्लांट भी स्थापित किया गया है।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0–358 / 2002
लालमती–सायल
1–लालमती उम्र 50 वर्ष पत्नी शिवपूजन ग्राम व पोस्ट नादेकुंआ तप्पा दुबौलिया परगना अमोढा तहसील – हरैया जिला बस्ती।
तारीख पेशी 16–07–2026
दरख्वास्त मुसम्मा
वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद
हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 16–07–2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।
अलमरकूम माह सन 20 ई0।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–408 / 2024
राजेश चन्द्र दूबे
बनाम
मनीष चन्द्र दूबे आदि
1. मनीष चन्द्र दूबे उम्र लगभग 35 वर्ष 2. धनेश चन्द्र उम्र लगभग 42 वर्ष पुत्रगण चन्द्रभाल 3. अंश दूबे उम्र लगभग 12 वर्ष नाबालिग संरक्षक धनेश चन्द्र दूबे पिता हकीकी साकिनान सोनूपार, तप्पा कपरी महसों, परगना महुली पश्चिम, तहसील वो जिला बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
4. सुधा दूबे उम्र 45 वर्ष पत्नी स्व० कमलेश चन्द्र दूबे 5. वैष्णवी दूबे उम्र 15 वर्ष नाबालिग संरक्षिका सुधा दूबे माता हकीकी साकिनान सोनूपार, तप्पा कपरी महसों, परगना महुली पश्चिम, तहसील वो जिला बस्ती
– प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
6. सत्य प्रकाश द्विवेदी उम्र 45 वर्ष 7. ओम प्रकाश द्विवेदी उम्र 60 वर्ष 8. प्रेम प्रकाश द्विवेदी उम्र 58 वर्ष पुत्रगण पारसनाथ द्विवेदी
9. सौरभ उम्र 22 वर्ष पुत्र उपेन्द्र नाथ 10. अभिषेक उम्र २० वर्ष पुत्र राघव प्रसाद 11. सत्यभामा उम्र 60 वर्ष पत्नी जगदीश प्रसाद 12. अनन्त कुमार उम्र 75 वर्ष पुत्र गंगाराम 13. उपेन्द्र नाथ उम्र 55 वर्ष पुत्र गंगाराम 14. अन्नू उम्र 35 वर्ष पत्नी मनीष चन्द्र 15. जय प्रकाश उम्र 48 वर्ष 16. श्रीप्रकाश उम्र 65 वर्ष पुत्रगण पारसनाथ साकिनान सोनूपार, तप्पा कपरी महसों, परगना महुली पश्चिम, तहसील वो जिला बस्ती।
–प्रतिवादीगण तृतीय वर्ग
तारीख पेशी 02–07–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–103 / 2025
श्रीमती संगीता देवी आदि
बनाम
रामसुमिरन आदि
1. राम सुमिरन उम्र लगभग 64 वर्ष पुत्र श्यामबली निवासी ग्राम–भंगुरा, पोस्ट–भंगुरा, 272301, तप्पा–कलवारी, परगना–नगर पूरब, तहसील व जिला–बस्ती
–प्रतिवादी प्रथम वर्ग
2. रामललित उम्र लगभग 40 वर्ष पुत्रगण 3. हृदयराम उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्रगण रामसुमिरन साकिनान मौजा–भंगुरा, पोस्ट–भंगुरा, 272301, तप्पा–कलवारी, परगना–नगर पूरब, तहसील व जिला–बस्ती
–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 23–07–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 23 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

गोरखपुर यूनिवर्सिटी में छात्र की आत्महत्या और कम नंबर मिलने पर भड़के छात्र, प्रदर्शन

संवाददाता–गोरखपुर। दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय (डीडीयू) के इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट के बीटेक तृतीय वर्ष के एक छात्र ने गुरुवार को खुदकुशी कर ली थी। उसका शव रामगढ़ताल थाना क्षेत्र स्थित प्राइवेट हॉस्टल के कमरे में फंदे से लटकता हुआ मिला था। अलीगढ़ के रहने वाले इस छात्र को कई विषयों में शून्य नम्बर मिले थे। उसके सुसाइड के पीछे इसे भी एक वजह माना जा रहा है। हालांकि इस पर अभी जांच जारी है। बताया जा रहा है कि डीडीयू के बीटेक छात्र घनेंद्र चौधरी के परीक्षा परिणाम में भी कई विसंगतियां सामने आई थीं। इधर, शनिवार को डीडी के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों ने डीडीयू में इंजीनियरिंग विभाग में आत्महत्या प्रकरण और कम अंक दिए जाने के विरोध में प्रदर्शन किया है।

सुबह 11 बजे से जारी प्रदर्शन अभी भी जारी है। छात्रों ने परीक्षा परिणाम में अनियमितताओं और कई विद्यार्थियों को अपेक्षा से कम अंक दिए जाने का आरोप लगाया। प्रदर्शन कर रहे छात्रों का कहना है कि मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती गई, जिससे बड़ी संख्या में छात्र प्रभावित हुए हैं। छात्रों ने पिछले दिनों एक छात्र द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना को भी गंभीर बताते हुए प्रशासन पर संवेदनहीनता का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारी छात्रों ने मामले की निष्पक्ष जांच, कॉपियों के पुनर्मूल्यांकन और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शन के दौरान छात्रों ने नारेबाजी कर विश्वविद्यालय प्रशासन से जल्द समाधान निकालने की अपील की। वहीं विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि छात्रों की शिकायतों की जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

बता दें कि प्रथम और तृतीय सेमेस्टर के परीक्षा परिणाम घोषित होने के बाद ही छात्रों में भारी असंतोष और आक्रोश देखने को मिला था। परिणाम आने के बाद लगातार गंभीर शिकायतें सामने आईं, जिन्हें लेकर छात्र विश्वविद्यालय प्रशासन से जांच की मांग कर रहे हैं। इसी बीच बीटेक छात्र घनेंद्र चौधरी की खुदकुशी और सुसाइड नोट में "अच्छा छात्र न बन पाने" की बात सामने आने के बाद छात्रों का असंतोष और गहरा गया है।

छात्रों का आरोप है कि परीक्षा परिणामों में कई प्रकार की अनियमितताएं हुई हैं। कई छात्रों को परीक्षा देने के बावजूद 'अनुपस्थित' दिखाया गया, जबकि कुछ को 'अपूर्ण' या 'शून्य' अंक दे दिए गए। इन त्रुटियों के कारण बड़ी संख्या में छात्रों को अनुपूरक (बैक) लग गई। छात्रों का कहना है कि जिन्होंने परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन किया था, उन्हें भी 1, 2 या 3 अंक देकर अनुत्तीर्ण घोषित कर दिया गया। कई विद्यार्थियों पर 5 से 6 तक बैक लगने से वे मानसिक तनाव में आ गए हैं। छात्र लगातार परिणामों की पुनः जांच कराने और त्रुटियां ठीक करने की मांग कर रहे हैं। छात्र घनेंद्र के परिणाम में भी कई विसंगतियां थीं। प्रथम सेमेस्टर में उन्हें 10 बैक लगी थीं, जिनमें एक प्रैक्टिकल और दो थ्योरी विषयों को छोड़कर बाकी सभी में शून्य अंक दर्ज थे। दूसरे सेमेस्टर में सात बैक आईं, जहां चारों प्रैक्टिकल में वह फेल रहे। इनमें दो विषयों में शून्य अंक मिले, जबकि अन्य दो में 21 और 18 अंक दर्ज किए गए। हालांकि तीसरे सेमेस्टर में मुख्य विषयों और प्रैक्टिकल में अच्छे अंक थे, लेकिन माइनर इलेक्टिव और माइनर को–करीकुलर में शून्य अंक थे। चौथे में भी मुख्य विषयों में ठीक अंक होने के बावजूद इन्हीं दोनों विषयों में शून्य अंक के साथ चार बैक लगीं। पांचवें सेमेस्टर में केवल एचएसएम–301 विषय में बैक आई थी। बताया जा रहा है कि इस विषय में कक्षा के अधिकांश छात्र फेल हुए थे, जिसके बाद कुछ छात्रों ने अपनी उत्तर पुस्तिकाएं देखने के लिए आवेदन भी किया था।

सिर पर गैस सिलेंडर, ठेले पर बाइक, महंगाई के खिलाफ सपाईयों का अनोखा प्रदर्शन

संवाददाता–अयोध्या। अयोध्या में डीजल–पेट्रोल और महंगाई के खिलाफ सपाइयों ने सड़क पर उतरकर अनोखा प्रदर्शन किया। सपा कार्यालय से सिर पर गैस सिलेंडर रखकर और ठेले पर बाइक लादकर प्रदर्शन किया। सपाइयों ने केंद्र और प्रदेश सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और राज्यपाल को संबोधित सिटी मजिस्ट्रेट को महगाई खत्म करने तथा योगी सरकार को बर्खास्त करने के लिए ज्ञापन सौंपा। शनिवार को सपा कार्यालय लोहिया भवन से कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट के लिए प्रदर्शन करते हुए कूच किया। सपाइयों ने हाथ में जब से महंगाई आई है कमर तोड़ महंगाई है, गैस सिलेंडर के बढ़े दम वापस लो, पेट्रोल डीजल के बढ़े दम वापस लो, नीट परीक्षार्थियों के भविष्य से खिलवाड़ बंद करो, स्मार्ट मीटर से ठगना बंद करो जैसे स्लोगन लिखी तख्ती लेकर प्रदर्शन किया। सपाइयों का जत्था रीडगंज पहुंचा, लेकिन यहां पुलिस ने बैरियर लगाकर लक्ष्मण रेखा खींच रखी थी और सीओ सिटी श्रेयश त्रिपाठी के नेतृत्व में भारी फोर्स तैनात रही।

कुछ देर सपाइयों ने परंपरागत तरीके से पुलिस से धींगामुश्ती की और बैरियर पार करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस के आगे सपाइयों की एक न चली और कुछ देर में जोश ठंडा पड़ गया। फिलहाल इस बीच सपाइयों ने केंद्र और प्रदेश सरकार तथा पुलिस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मौके पर पहुंचे सिटी मजिस्ट्रेट को राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सौंपा और डीजल पेट्रोल के बढ़े दाम वापस लेने तथा अन्य समस्याओं के निराकरण की मांग की। ज्ञापन सौंपने वालों में पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय पवन, निवर्तमान महानगर अध्यक्ष श्यामकृष्ण श्रीवास्तव, अपर्णा जायसवाल, ओपी पासवान, विद्याभूषण पासी, जितेंद्र यादव, शशांक यादव, अनिल यादव, वसी हैदर गुड्डू, शाहबाज लकी, अनस, पार्षद गोपाल कृष्ण यादव, जेपी यादव, सूरज वर्मा, राजनाथ यादव, प्रवक्ता राकेश यादव, अंसार अहमद व अन्य शामिल रहे।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–288 / 2025
दिग्विजय
बनाम
श्रीपत आदि
1–श्रीपत उम्र 50 वर्ष 2–सुरेश उम्र 48 वर्ष 3–जोगिन्दर उम्र 46 वर्ष पुत्रगण मुरारी 4–सिकन्दर उम्र वर्ष पुत्र राजेन्दर साकिनान बानपुर तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग
5–जगई उर्फ नगई पुत्र पत्तीलाल साकिनान बानपुर तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती हाल मुकाम पसड़ा तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती –प्रतिवादी द्वितीय वर्ग
6–दुर्गेश उम्र 35 वर्ष 7– हरिश्याम उम्र 45 वर्ष पुत्रगण जगई उर्फ नगई साकिनान बानपुर तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती हाल मुकाम पसड़ा तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
–प्रतिवादी तृतीय वर्ग
तारीख पेशी 09–07–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 09 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। –द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–406 / 2024
अमरनाथ सिंह
बनाम
अमरपाल सिंह
1. अमरपाल सिंह उम्र लगभग 34 साल पुत्र स्व0 बीरबहादुर सिंह साकिन कलवारी मुश्तहकम तप्पा कलवारी परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 17–07–2026
हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 17 माह 07 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।
आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।
बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

दैनिक
भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com